

राज्यपाल पटेल को म.प्र. लोक सेवा आयोग का 68वां वार्षिक प्रतिवेदन किया भेंट

म.प्र. लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों ने राजभवन में की सौजन्य भेंट

भोपाल/नवप्रदेश। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. राजेशलाल मेहरा, सदस्य डॉ. नरेन्द्र कोष्टी, सचिव

श्रीमती राखी सहाय और परीक्षा नियंत्रक डॉ. वी. के. गुप्ता ने राजभवन में सौजन्य भेंट की। उन्होंने राज्यपाल श्री पटेल को आयोग का 68वां वार्षिक प्रतिवेदन भेंट किया।

राज्यपाल श्री पटेल को आयोग के अध्यक्ष डॉ. मेहरा ने बताया कि आयोग द्वारा वर्ष 2024-25 में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के लिए 5 हजार 581



पदों हेतु 71 विज्ञापन जारी किये गये। आयोग द्वारा राज्य सेवा परीक्षा एवं राज्य वन सेवा परीक्षा 2023, 2024 और 2025 की प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा का आयोजन किया गया। आयोग द्वारा द्विस्तरीय परीक्षाओं और राज्य पात्रता परीक्षा का आयोजन भी किया गया। लोक सेवा आयोग द्वारा वर्ष 2024-25 में विभिन्न विभागों के पदों के लिए

6 हजार 260 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया गया। कुल 1 हजार 479 पदों पर अभ्यर्थियों का चयन कर शासन को अनुशंसा भेजी गई।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. मेहरा ने बताया कि आयोग द्वारा उत्तरोत्तर गुणवत्ता संवर्धन और अभ्यर्थियों को आयोग की विभिन्न

गतिविधियों की उपयोगी जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से नवाचार के क्रम में ई-न्यूज लेटर 'संवर्द्धिया' का प्रकाशन किया गया। विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के गोपनीय कार्यों के लिए विषय विशेषज्ञ आमंत्रित करने 'विषय विशेषज्ञ पोर्टल' प्रारंभ किया गया है। इसी प्रकार राज्य सेवा मुख्य परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं को ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज बेबाक

अमेरिका के बहकावे में आकर पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से पंगा मोल लेकर अपनी स्थिति धोबी के कुत्ते की तरह कर ली है जो घर का रहता है न घाट का। अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान ने मुस्लिम देशों के दबाव में आकर सौजन्यफर तो कर लिया है लेकिन यह कभी भी टूट सकता है। इस बीच रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने एलान किया है कि यदि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हमला किया तो रूस अफगानिस्तान का साथ देगा। मतलब पाकिस्तान दो पाटों के बीच पौसकर साबुत नहीं बचेगा। एक पाकिस्तान के टुकड़े कई होंगे कोई इश्कर गिरंगा, कोई उधर गिरंगा।

उप राष्ट्रपति राधाकृष्णन से मुख्यमंत्री साय ने की भेंट



रायपुर /नवप्रदेश। उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल डेका उपस्थित थे।

अमेरिकी अदालतों ने जेल में बंद भारतीय मूल के व्यक्ति की निर्वासन प्रक्रिया पर रोक लगाई

नयी दिल्ली (वार्ता) अमेरिका की दो अलग-अलग अदालतों ने एक भारतीय मूल के व्यक्ति के निर्वासन पर रोक लगा दी है, जिसने एक ऐसी हत्या के लिए 40 साल से ज़्यादा जेल में बिताए जो उसने की ही नहीं थी। 64 वर्षीय सुब्रमण्यम सुबु वेदम को 1983 में अपने पूर्व रूममेट की हत्या का दोषी ठहराया गया था। लेकिन मामले में नए सबूत सामने आने के बाद उन्हें अक्टूबर में बरी कर दिया गया था। जेल से रिहा होने के तुरंत बाद उन्हें अमेरिकी आन्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने हिरासत में ले लिया, जो उन्हें भारत प्रत्यर्पित करना चाहते हैं।

विमान दुर्घटना में तीन की मौत, 11 घायल

न्यूयॉर्क (वार्ता/शुद्धआ) अमेरिकी राज्य केंटकी के गवर्नर एंडी बेशियर ने बुधवार को कहा कि लुसबिले अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद कागों विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 11 अन्य लोग घायल हो गए। बेशियर ने एक प्रेस वार्ता में कहा, हमारा मानना ​​है कि कम से कम तीन लोगों की मौत हुई है लेकिन यह संख्या और भी बढ़ सकती है।

गरमा-गरम

बिहार: वोट के लिए भाग दौड़



गुरु नानक जी का उपदेश मानवता की सेवा का है सर्वोच्च मार्ग : सीएम यादव

सीएम यादव ने गुरु नानक जयंती पर गुरुद्वारा में टेका मत्था, सबके कल्याण की कामना की

मुख्यमंत्री ने की घोषणा - गुरु तेगबहादुर जी का 350वां जयंती वर्ष और शहीदी दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को गुरु नानक जयंती के अवसर पर अरेरा कॉलोनी स्थित प्रसिद्ध गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका। शब्द कीर्तन (गुरुवाणी) का श्रवण किया और सभी देशवासियों को गुरुपरब की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने वाहेगुरु जी से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं सबके कल्याण की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु नानक देव जी सामाजिक एकता, सद्भावना और सेवा भाव की मिसाल थे। उन्होंने मानवता का भाव रखने का जो संदेश दिया है, वह आज भी सर्व समाज के लिए प्रकाशपुंज है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक जी का जीवन सत्य, करुणा और परोपकार का प्रतीक है। उनका जीवन संदेश समय की सीमाओं से भी परे है और मानवता की सेवा के लिए हमेशा प्रेरणा-स्रोत रहेगा।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाजजनों की मांग पर घोषणा करते हुए कहा कि म.प्र. सरकार गुरु तेग बहादुर जी का 350वां जयंती वर्ष और शहीदी दिवस समाज की मंशा अनुसार धूमधाम से मनावेगी। मध्यप्रदेश सरकार सत्य के मार्ग पर चलने वाले गुरु तेग बहादुर जी के सम्मान लिए हर जरूरी प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व के अवसर पर सभी को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देव जी साक्षात ईश्वर समान थे, उन्होंने संसार को मानवता, सेवा और कीर्तन की शिक्षा और सिख धर्म की स्थापना

की। उन्होंने भारत में पदयात्रा तो की ही, यहां से बाहर निकलकर पाकिस्तान, अफगानिस्तान और अरब तक सिख धर्म का प्रकाश पहुंचाया। उस दौर में अरब में गुरु नानक देव जी का जो भाव था, वो बाबर के सामने भी रहा। हम सभी ओंमकार रूपी ध्वनि से सचेतन रहें। जातिगत भेदभाव को दूर करते हुए एक संगत में रहें। समाज में दूरियों को मिटाने के लिए किसी भी दिखावे की जरूरत नहीं है। मनुष्य, मनुष्य के काम आए और अन्याय के खिलाफ लड़ें। अफगानी, मुगल और अंग्रेजों के सामने गुरुजी के मार्ग पर चलते हुए हमारे वीरों ने अपना बलिदान तक कर दिया। उन्होंने कहा

राहुल गांधी ने किया दावा, 'हरियाणा चुनाव में 25 लाख वोटों की चोरी

■ 10 बूथों में ब्राजीली मॉडल के 22 फर्जी वोट डाले

नई दिल्ली (आईएनएस)। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कथित तौर पर वोट चोरी के आरोप को दोहराया। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सबाल उठाते हुए हरियाणा चुनाव में धोखेबाजी का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दावा किया कि हरियाणा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की भारी बहुमत से जीत हो रही थी। अधिकतर एंजिट

पोल्स के रूझान भी यही दर्शा रहे थे। पोस्टल बैलट में सर्वे एजेंसियां कांग्रेस को करीब 73 सीटों पर और भाजपा को मात्र 17 सीटों पर जीतते हुए दिखा रही थीं, लेकिन नतीजे इसके उलट आए। उन्होंने जोर देकर बताया कि हरियाणा के चुनाव इतिहास में इससे पहले पोस्टल बैलट के नतीजे कभी भी आखिरी परिणाम से अलग नहीं रहे। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि 'ऑपरेशन सरकार चोरी' के तहत कांग्रेस की भारी जीत को हार में बदलने की साजिश पहले से ही चालू हो गई थी। बाद में नतीजा यह हुआ कि कांग्रेस हरियाणा में ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भारत की प्रतिष्ठा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बढ़ी है: राजनाथ सिंह



बांका (आईएनएस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को बांका में एनडीए प्रत्याशी के समर्थन में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि प्रथम चरण के मतदान का प्रचार अभियान समाप्त होने के बाद जो रूझान सामने आया है, उससे साफ है कि दो तिहाई बहुमत से यहां एक बार फिर एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि आज 20 सालों से नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार बिहार में है, लेकिन कोई माई का लाल नहीं है जो नीतीश कुमार के

दामन पर भ्रष्टाचार का दाग लगा सकता है। इसके पहले भी राजद के मुख्यमंत्री थे, जिन्हें लंबे समय तक जेलों की हवा खानी पड़ी है। उन्होंने तेजस्वी यादव का बिना नाम लिए कहा कि आज भी जो मुख्यमंत्री का चेहरा है, उन पर भी अदालतों में भ्रष्टाचार के मामले चल रहे हैं। फैसला स्वाभाविक है। कोई भी फैसला लेगा तो वह ईमानदारी से एनडीए के पक्ष में फैसला लेगा। उन्होंने कहा कि पहले यहीं बिहार था जहां लोग बुनियादी सुविधा के लिए तरसते थे। पहले राजद के लोग जनता से कहा करते ■ शेष पृष्ठ 6 पर

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेरा, मुठभेड़ जारी

जम्मू (आईएनएस)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई है। किश्तवाड़ जिले के वन क्षेत्र में आतंकियों के छिपे होने की सूचना के बाद सुरक्षाबलों ने किश्तवाड़ के छतरु में यह अभियान शुरू किया। आतंकियों के खिलाफ इस अभियान को 'ऑपरेशन छतरु'मान दिया गया है। भारतीय सेना की 'व्हाइट नाइट' और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम किश्तवाड़ में इस ऑपरेशन में शामिल है। व्हाइट नाइट कोर ने 'ऑपरेशन छतरु' के बारे में जानकारी देते हुए 'एक्स पोस्ट' में लिखा, बुधवार तड़के जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर एक खुफिया जानकारी पर



आधारित अभियान में व्हाइट नाइट कोर के सतर्क जवानों ने छतरु के सामान्य क्षेत्र में आतंकवादियों से संपर्क स्थापित किया। आतंकवादियों के साथ गोलीबारी हुई। अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर सुरक्षाबलों ने मंगलवार शाम किश्तवाड़ जिले के छतरु के वन क्षेत्र में चेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। अधिकारियों ने कहा, जैसे ही सुरक्षाबल ■ शेष पृष्ठ 6 पर

रेलवे की सुरक्षा पर खड़े हुए सवाल राहत दलों ने गैस कटर की मदद से बोगियां काटकर फंसे लोगों को निकाला सिग्नल फेल या ड्राइवर की गलती से हुआ बिलासपुर हादसा ?

बिलासपुर /नवप्रदेश। बिलासपुर जिले में एक बड़ा रेल हादसा हुआ। गतौरा रेलवे स्टेशन के पास खड़ी मालगाड़ी में तेज रफ्तार पैसेंजर ट्रेन का ईजन जा धुसा। हादसा लाल खदान इलाके में मंगलवार देर शाम हुआ। इसमें 11 यात्रियों की मौत हो गई और करीब 20 लोग घायल हो गए। मौके पर राहत और बचाव अभियान चलाया गया, जो रात मंगलवार तक जारी रहा। रेलवे ने इस हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। जानकारों ने सिग्नल, टर्न, स्पीड या फिर इमरजेंसी ब्रेक लगाने को हादसे की वजह बताई है।



ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम रेलवे विशेषज्ञों का कहना है कि, बिलासपुर रेल हादसे की शुरुआती जांच में ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम में तकनीकी खराबी को एक संभावित कारण माना जा रहा है। यह सिस्टम ट्रेनों को आगे बढ़ने या रुकने का संकेत देता है। अगर किसी वजह से यह सिस्टम फेल हो जाए, तो लोको पायलट को लाल सिग्नल दिखाई नहीं देता। ऐसे में ड्राइवर को लगता है कि ट्रैक क्लियर है और वह ट्रेन आगे बढ़ा देता है। एक और संभावना मानवीय गलती की बताई जा रही है। यह भी संभावना है कि लोको पायलट ने सिग्नल देखा ही नहीं या उसे नजरअंदाज कर दिया हो। रेलवे सिस्टम में हर सिग्नल का रंग और ब्लिंकिंग पैटर्न तय होता है, जो ट्रेन ■ शेष पृष्ठ 6 पर

जांच के आदेश रेलवे ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। कमिश्नर ऑफ रेलवे सेप्टी इसकी जांच कर रहे हैं। रेल मंत्री ने एक मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये, गंभीर घायलों को 5 लाख और सामान्य घायलों को 50 हजार रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है। वहीं, छत्तीसगढ़ सरकार ने भी मृतकों के परिजनों को 5 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का एलान किया है।

लगने की आवाज और फिर जोरदार धमाका सुना। कई यात्रियों ने खिड़कियों से कूदकर अपनी जान बचाई, जबकि राहत दलों ने गैस कटर की मदद से बोगियां काटकर फंसे लोगों को बाहर निकाला। हादसे में 11 यात्रियों की मौत हो गई और करीब 20 घायल हुए हैं।

रेगिस्तान में 'अखंड प्रहार' को अंजाम दे रही है भारतीय सेना

नई दिल्ली (आईएनएस)। भारतीय सेना अभ्यास त्रिशूल फ्रेमवर्क के अंतर्गत अभ्यास 'अखंड प्रहार' को अंजाम दे रही है। इसे भविष्य की तैयारी के एक सफल परीक्षण के तौर पर देखा जा रहा है। यहां सेना समन्वय और युद्धक तत्परता का प्रदर्शन कर रही है। भारत की ये सैन्य टुकड़ियां रेगिस्तानी वातावरण में दिन-रात संयुक्त सशस्त्र अभियानों को अंजाम दे रही हैं। दक्षिणी कमान के अंतर्गत कोणाक कोर के जवान वर्तमान में चल रहे त्रिशूल निष्ठा-सेवाओं के ढांचे के अंतर्गत अभ्यास 'अखंड प्रहार' कर रहे हैं। इस अभ्यास के दौरान मरुस्थलीय क्षेत्र में उत्कृष्टता की नई मिसाल कायम की जा रही है। यह अभ्यास तीनों सेनाओं यानी थलसेना, नौसेना और वायुसेना के बीच संयुक्तता और समन्वय की भावना को सशक्त रूप



में प्रदर्शित कर रहा है। इस व्यापक सैन्य अभ्यास का उद्देश्य भविष्य के युद्धक्षेत्र में समेकित संचालन क्षमता का परीक्षण और प्रमाणीकरण करना है। इसके तहत रेगिस्तानी भूभाग में दिन और रात के समय संयुक्त सशस्त्र ऑपरेशन के लिए रणनीति, तकनीक और प्रक्रिया को परिकृत किया जा रहा है। सेना के मुताबिक, तकनीक-सक्षम और मिशन-केंद्रित यह अभ्यास भविष्य की युद्ध आवश्यकताओं के अनुरूप है। यह भारतीय सशस्त्र बलों की तत्परता और आधुनिकता को प्रदर्शित करता है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन ■ शेष पृष्ठ 6 पर

न्यूज गैलरी

राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मनाएगी सरकार

7 नवंबर को प्रदेशभर में होंगे आयोजन; सीएम, मंत्री, विधायक और सांसद होंगे शामिल

भोपाल/नवप्रदेश। भारत के राष्टगीत «वंदे मातरम» के 150 साल पूरे हो रहे हैं। इस मौके पर मोहन सरकार और एमपी बीजेपी दस-दस जगहों पर बड़े आयोजन करेगी। इन कार्यक्रमों में वंदे मातरम के पूरे गीत का गायन किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने बताया कि 7 नवंबर को बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम् गीत की 150वीं वर्षगांठ पर देशभर में समारोह होंगे। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने निर्देश दिए हैं कि इन 150 स्थानों पर प्रत्येक कार्यक्रम में कम से कम 150 लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। हेमंत खंडेलवाल ने बताया कि वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 7 नवंबर से 26 जनवरी तक लगातार कार्यक्रम चलेंगे। इस दौरान राष्ट्रव्यापी उत्सव भी होंगे। हर जिले के हर शैक्षणिक संस्थान में कार्यक्रम होंगे। सरकारी स्तर पर भी सब जगह कार्यक्रम होंगे। भारतीय जनता पार्टी भी 7 नवंबर से 26 जनवरी तक कार्यक्रम आयोजित करेगी। पहला मुख्य कार्यक्रम 7 नवंबर को होगा, इसके साथ ही 10 स्थानों पर कार्यक्रम किए जाएंगे। भोपाल के शौर्य स्मारक पर मुख्यमंत्री मोहन यादव, रीवा में डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल, नर्मदा पुरम में राव उदय प्रताप सिंह, मुरैना में ऐदल सिंह कंसाना, ग्वालियर में प्रद्युम्न सिंह तोमर, सागर में गोविंद सिंह राजपूत, राहडेल में दिलीप जायसवाल, जबलपुर में राकेश सिंह, इंदौर में कैलाश विजयवागीच, उज्जैन में गौतम टेटवाल शामिल होंगे। खंडेलवाल ने कहा कि प्रदेश भाजपा कार्यालय सहित प्रदेश के 10 स्थानों पर पार्टी और समाज के लोगों की सहभागिता के साथ हमने कार्यक्रम तय किए हैं। 10 जगहों पर शासकीय स्तर पर और 10 स्थानों पर पार्टी स्तर पर कार्यक्रम होंगे। पार्टी स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों में सांसद, विधायक और मंत्री भाग लेंगे। जैसा कार्यक्रम सरकारी स्तर पर होगा वैसा ही कार्यक्रम समाज के लोगों के साथ 10 स्थान पर होंगे। कार्यक्रमों में वंदे मातरम का पूर्ण गायन किया जाएगा। इसके साथ ही रंगोली, निबंध भाषण प्रतियोगिता और अन्य तरह की प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी।

सीएम यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री अर्जुन सिंह को दी श्रद्धांजलि



भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार की सुबह मध्यप्रदेश विधानसभा भवन पहुंचकर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री अर्जुन सिंह की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंगार, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरिश गौतम, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, श्री भगवान दास सबनानी, स्व. श्री अर्जुन सिंह के पुत्र एवं विधायक श्री अजय सिंह राहुल, परिरजन सहित जनप्रतिनिधि एवं विधानसभा के अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि स्व. श्री अर्जुन सिंह मध्यप्रदेश के विकास और जनहित के प्रति समर्पित नेता थे। उन्होंने समूचे प्रदेश के विकास के लिए अनेक दूरदर्शी निर्णय लिए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की राजनीति में स्व. श्री अर्जुन सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वे 1980 के दशक में सबसे प्रभावशाली व्यक्तित्वों में शामिल थे और तीन बार मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं पंजाब के राज्यपाल भी रहे। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री के रूप में उनका देश के विकास में अहम योगदान रहा। वे सदैव गरीब कल्याण और पिछड़ा वर्ग के साथ खड़े दिखाई दिए। स्व. श्री अर्जुन सिंह वंचित वर्ग के लिए लड़ाई लड़ने में हमेशा अग्रणी रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. श्री अर्जुन सिंह ने भारत सरकार द्वारा उज्जैन में सांदिपनि वेद विद्या प्रशिक्षण को स्थापित करने, वेद पढ़ने-पढ़ाने वालों के लिए सभी व्यवस्थाएं करने के साथ मानव संसाधन विकास मंत्री के रूप में एक चेयर उज्जैन में स्थापित की थी। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. श्री अर्जुन सिंह की 95वीं जयंती पर हम सब उनका पुण्य स्मरण कर रहे हैं।

चेन व मोबाइल सैचिंग पर प्रभावी अंकुश

शांति व्यवस्था बनाए रखने में मध्यप्रदेश पुलिस की सक्रिय भूमिका

भोपाल/नवप्रदेश। प्रदेश में कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने और आम नागरिकों, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस संपत्ति संबंधी अपराधों, खासकर चेन व मोबाइल सैचिंग जैसी घटनाओं पर लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है। हाल ही में कटनी, इंदौर, नीमच एवं गुना पुलिस की त्वरित कार्यवाहियों में कई शांतिर अपराधी गिरफ्तार किए गए हैं, जिन्होंने महिलाओं और आम नागरिकों को निशाना बनाकर वारदातों को अंजाम दिया था।

इंदौर में दो शांतिर चेन सैचर गिरफ्तार — 5 लाख का माल बरामद

शहर में सैचिंग पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कनाडिया पुलिस ने दो युवकों को पकड़ा है, जो खुद को छत्र बताकर सुनसान इलाकों में अकेली महिलाओं से चेन झपटते थे। पुलिस ने उनके पास से तीन थानों की वारदातों में लूटी गई सोने की चेन व आभूषण लगभग ७5 लाख मूल्य के बरामद किए हैं। थाना प्रभारी डॉ. सहर्ष यादव के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में पुलिस टीम की भूमिका सराहनीय रही।

नीमच में सैचर और सुनार गिरफ्तार — तीन सोने की चेन बरामद

नीमच पुलिस ने लगातार हो रही चेन सैचिंग घटनाओं पर त्वरित



कार्रवाई करते हुए आरोपी जयेश उर्फ जीतू मालवीय और चोरी का माल खरीदने वाले सुनार राजेश सोनी को गिरफ्तार किया है। इनके पास से तीन सोने की चेन और वारदात में प्रयुक्त पस्सर मोटरसाइकिल बरामद हुई। पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई ने महिलाओं से संबंधित अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया है।

गुना में मोबाइल सैचिंग गिरोह का पर्दाफाश — 20 से अधिक घटनाओं का खुलासा

गुना पुलिस ने दो शांतिर मोबाइल सैचरों को गिरफ्तार कर 20 से अधिक घटनाओं का खुलासा किया है। आरोपियों से छिने गए मोबाइल फोन एवं मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस की प्रभावी सूचना तंत्र, गश्त और तकनीकी

विश्लेषण से यह सफलता मिली, जिससे लंबे समय से सक्रिय गिरोह निष्प्रभावी हुआ।

कटनी में झपटमार गिरफ्तार — सोने के लॉकेट बरामद

बरही थाना पुलिस ने चेन सैचिंग की घटना के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे सोने के पाँच लॉकेट, कुल लगभग ७50,000 मूल्य के, बरामद किए हैं। यह कार्रवाई थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह यादव के नेतृत्व में की गई, जिसमें एसएसआई दिनेश गौतम और एसएसआई राजेश कोरी का योगदान महत्वपूर्ण रहा। ऐसे अपराध समाज की सुरक्षा भावना को प्रभावित करते हैं। मध्यप्रदेश पुलिस नागरिकों को आश्वस्त करती है कि महिलाओं एवं आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य में इस प्रकार के अपराधों पर पूर्ण अंकुश के लिए निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने सभी पुलिस आयुक्तों, पुलिस अधीक्षकों और फील्ड अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपराधियों के विरुद्ध सघन सर्चिंग, पेड़ौलिंग और तकनीकी निगरानी बढ़ाई जाए, ताकि प्रदेश में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे। मध्यप्रदेश पुलिस आमजन से अपील करती है कि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें और महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक रहें। पुलिस और जनता के सहयोग से ही अपराध मुक्त समाज की स्थापना संभव है।

भोपाल में गुरुनानक जयंती पर उमड़ा आस्था का सैलाब, सजे गुरुद्वारे,हजारों श्रद्धालुओं ने टेका मत्था

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में गुरुनानक जयंती पर बुधवार को शहर के गुरुद्वारों में श्रद्धा और सेवा का संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारों में मत्था टेका और गुरुनानक देव जी के उपदेशों को याद किया। राजधानी भोपाल में बुधवार को पहले सिख गुरु श्री गुरुनानक देव जी का प्रकाश पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। शहर के प्रमुख गुरुद्वारों अरेरा कॉलोनी, हमीदिया रोड और पिपलानी को रंग-बिरंगी लाइटों और फूलों से सजाया गया है। मंगलवार रात से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी, जहां गुरु वाणी और कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है।

हमीदिया रोड गुरुद्वारे में सबसे बड़ा लंगर

गुरुपर्व के अवसर पर शहर के



सभी गुरुद्वारों में लंगर का आयोजन किया जा रहा है। सबसे बड़ा लंगर हमीदिया रोड स्थित मुख्य गुरुद्वारा किया जा रहा है, जहां लगभग 15 हजार श्रद्धालुओं के लिए भोजन तैयार किया गया है। विभिन्न गुरुद्वारों में बन रही रोटियां और अन्य व्यंजन मुख्य स्थल पर पहुंचाए गए हैं। लंगर में करीब 35 से 40 कंटील खाद्य

सामग्री का उपयोग किया जाएगा, जिसे सैकड़ों सेवादायों की टीम तैयार कर रही है।

शबद-कीर्तन और दीवान

शहर के अन्य गुरुद्वारों अरेरा कॉलोनी और पिपलानी में भी शबद-कीर्तन, दीवान और अरदास के कार्यक्रम दिनभर चलते रहेंगे। सुबह

प्रभात फेरी के साथ श्रद्धालुओं का आना-जाना शुरू हो गया है। गुरुद्वारों में नितनैम और भजन-कीर्तन के कार्यक्रमों के जरिए श्रद्धालु गुरु नानक देव जी के उपदेशों का स्मरण कर रहे हैं।

गुरुनानक देव के संदेशों से प्रेरित सेवा की भावना

गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन से समानता, मानवता और सेवा भाव का संदेश दिया था। उन्होंने ही लंगर की परंपरा की शुरुआत की थी, जो आज भी सिख समुदाय की सेवा भावना की मिसाल बनी हुई है।प्रकाश पर्व के इस अवसर पर श्रद्धालु धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ जरूरतमंदों की सहायता और समाजसेवा के कार्यों में भी हिस्सा ले रहे हैं।

भोपाल के कुख्यात अपराधी ने फर्जी एफडी लगाकर जमानत ली: डीसीपी कार्यालय में पेश किए थे जाली दस्तावेज

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के कुख्यात अपराधी गोपाल पाटिल ने बड़ा फर्जीवाड़ा किया है। उसने एक केस में जमानत लेने डीसीपी जोन-2 के कार्यालय में फर्जी एफडी पेश की। इस फर्जी एफडी पर उसे जमानत दे दी गई। बैंक से मिली सूचना के बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। गोपाल और उसके दो साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को हिरासत में

ले लिया है। एसएसआई मनोज शर्मा के मुताबिक डीसीपी जोन-2 कार्यालय में थारा 122 के तहत हिस्ट्रीशीटर बदमाश गोपाल पाटिल के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इस मामले में मो सलीम नामक व्यक्ति ने डेढ़ लाख रुपए की एफडी डीसीपी कोर्ट में पेश की थी। साथ ही दो अन्य लोगों की जमानत भी इसी एफडी के आधार पर करवाई गई थी। यह एफडी स्टेट बैंक इंडिया की थी, इसलिए

पुलिस ने उसे सत्यापन कराने के लिए बैंक को भेजी थी। जहां से पता चला कि उक्त एफडी फर्जी हैं। इस खुलासे के बाद पुलिस ने मो सलीम के खिलाफ केस दर्ज किया। इसके बाद पुलिस ने सलीम को भी हिरासत में ले लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी सलीम ने बताया कि उसने यह एफडी ग्वालियर के रहने वाले रियाज नाम के व्यक्ति से बनवाई थी।

पंजीयन के दौरान अलग-अलग उपभोक्ता श्रेणी के लिए पंजीयन राशि निर्धारित की गई है। घरेलू एवं कृषि उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 10 प्रतिशत तथा गैर घरेलू और औद्योगिक उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 25 प्रतिशत भुगतान कर पंजीयन करारक योजना में शामिल होकर लाभ उठा सकते हैं। विस्तृत विवरण तीनों कंपनियों की वेबसाइटों पर भी देखा जा सकता है साथ ही विद्युत वितरण केंद्र में पहुंचकर भी योजना के संबंध में जानकारी ले सकते हैं। **योजनान्तर्गत छूट प्राप्त करने की प्रक्रिया** योजना के अंतर्गत उपभोक्ता के पास बकाया राशि का एकमुश्त अथवा किश्तों में भुगतान करने का विकल्प रहेगा। किश्तों में

हिंदू देवी देवताओं अपमान सनातनी बर्दाश्त नहीं करेंगे : धर्मपथिक शैलेन्द्र कृष्ण



भोपाल/नवप्रदेश। शिर्डी पुरम के सिग्नेचर क्राउन के निवासी भक्तगणों ने तृतीय दिवस की श्रीराम कथा को वृन्दवान धाम से राष्ट्रीय प्रवक्ता पूज्य श्री धर्मपथिक श्री शैलेन्द्र कृष्ण जी की दिव्य ओजस्वी वाणी से बड़ी तन्मयता और लगन से श्रवण किया । कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी राजेश राय ने बताया कि पूज्य गुरुदेव ने कथा में बताया कि «भूल होना इंसान की प्रकृति है, भूल को सुधार लेना यह इंसान की सर्व्वी संस्कृति है । और भूल को भूल ना मानना यह संसार की सबसे बड़ी विकृति है । भूल हो जाए तो घबराना मत, क्योंकि भूल उसीसे होती है जो जीवन में कुछ करना चाहते हैं । भूल होना स्वाभाविक है, लेकिन एक ही भूल को दोबारा मत दोहराओ । जो गलती एक बार हो गई है वह गलती आपसे दूसरी बार ना हो, तब तो भगवान की कथा श्रवण करने का फल है, तभी तो भगवान से संबंध स्थापित करने का सच्चा फल है । आज हम लोग किसीने हमको एक गिलास जल पिला दिया तो धन्यवाद बोलते हैं । हमारा थोड़ा-सा काम कर दिया तो हम लोग क्या बोलते हैं ? धन्यवाद !

धन्यवाद जैसा परम पावन शब्द सर्वप्रथम भगवान शंकरजी के मुख से निकला था माता पार्वती के लिए । धन्यवाद शब्द का उद्गम भगवान भोले बाबा का मुख है, भोले बाबा की वाणी है । भोले बाबा बोले पार्वती तुम्हें धन्यवाद देता हूँ, क्योंकि तुमने श्रीराम कथा सुनना चाहा है । धन्यवाद का पात्र वास्तविकता में कौन है - «जो भगवत नाम का गुणगान करता और कराता है, भगवत नाम का प्रचार-प्रसार कर दुनिया में भगवान की महिमा को बढ़ाता है, वही वास्तविक धन्यवाद का अधिकारी है । तदनंतर भगवान श्रीराम के धरती पर अवतार लेने के कारणों को विस्तारपूर्वक समझाते हुए पूज्य गुरुदेव ने उन कारणों से सम्बंधित कथा को भी बताया, क्रमशः :-

भगवान के अवतार का पहला कारण है भगवान विष्णु के वैकुंठ के द्वारपाल जय-विजय, जिन्हें सनत कुमारों का श्राप लगा था । उनके उद्धार के लिए भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का अवतार लेकर आए । भगवान के अवतार का दूसरा कारण जलंधर नामक असुर की पत्नी माता वृंदा का भगवान नारायण को श्राप जिसके कारण माता सीता का रावण ने अपहरण किया । भगवान के अवतार का तीसरा कारण देवर्षी नारदजी का श्राप ! पूज्य गुरुदेव ने जीवन में इन बातों को ध्यान में रखने का निर्देश दिया कि :- «कभी तिनके का भी अपमान मत करो । यदि वह छोटा-सा तिनका आँख में चला जाए, तो आँख फूट जाती है । धरती के धूल का भी अपमान मत करो, क्योंकि वह धूल भी भोले बाबा के शरीर का सिंगार बन जाती है । किसीके फटे पुराने कपड़ों के चिथड़े पड़े हों तो उनका भी अपमान मत करना, क्योंकि वह चिथड़े भी किसी की इज्जत ढकने के काम आते हैं । भगवान की कृपा हो तो ज्ञानी बन जाते हैं, और भगवान की कृपा हटती तो मूर्ख बन जाते हैं । यहाँ न कोई ज्ञानी है न कोई मूर्ख । यहाँ ना कोई राजा है ना कोई रंक ? इससे सम्बंधित एक बहुत ही रोचक किस्सा पूज्य गुरुदेव ने सुनाया :- मैंने महात्माओं के मुख से सुना है । एक बार अकबर के दरबार में एक हिन्दू भिखारी पहुँचा । अकबर को एक विशेषता थी, अकबर को हिन्दू संतों के प्रति आस्था थी, क्योंकि वह हिन्दू संतों की महिमा को जानता था । अकबर ने पूछा उस भिखारी से कि «भगवान के नाम का खाते हो । भगवान के नाम पर जीते हो, यह बताओ तुम्हारा भगवान करता क्या है ? भिखारी ने कहा कि पहले जिस सिंहसन पर आप बैठे हो उस पर मुझे बिठाओ और आप मेरी जगह नीचे खड़े रहो । फिर मैं आपको बताऊँगा कि मेरा भगवान करता क्या है ?

लोक निर्माण विभाग में गुणवत्ता सुधार के उद्देश्य से सात जिलों में 35 निर्माण कार्यों का किया औचक निरीक्षण

भोपाल/नवप्रदेश। लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों के गुणवत्ता सुधार के उद्देश्य से प्रदेशभर में निर्माण कार्यों के औचक निरीक्षण की व्यवस्था प्रारंभ की गई है।इसी क्रम में 04 नवंबर को मुख्य अभियंताओं के सात दलों द्वारा हरदा, जबलपुर, श्योपुर, खरगोन, सिंगरीली, नीमच एवं सागर जिलों में औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान कुल 35 निर्माण कार्यों का रैंडम आधार पर चयन कर निरीक्षण किया गया, जिनमें से 21 कार्य लोक निर्माण विभाग (सड़क/पुल) के, 4 कार्य

परियोजना क्रियान्वयन इकाई (भवन) के, 7 कार्य मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के तथा 3 कार्य मध्यप्रदेश भवन विकास निगम शामिल है। निरीक्षण प्रतिवेदन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री भरत यादव द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई। बैठक में प्रमुख अभियंता श्री के.पी.एस. राणा, भवन शाखा के प्रमुख अभियंता श्री एस.आर. बघेल, मुख्य अभियंता श्री पी.सी. वर्मा, मुख्य अभियंता श्री बी.पी. बौरासी, मुख्य अभियंता श्री

समाधान योजना को मिला अच्छा रिस्पांस, दो दिन में जमा कराई 02 करोड़ 70 लाख की बकाया राशि, एक करोड़ 53 लाख का सरचार्ज माफ

बिजली बिल बकायादारों के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने विलंबित बिल भुगतान पर सरचार्ज में दी भारी छूट की सौगात

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश सरकार ने समाधान योजना में 3 माह से अधिक के बिजली बिल बकायादारों के लिए योजना शुरू करके एक बड़ी सौगात दी है। इस योजना के तहत अब तक कंपनी कार्यक्षेत्र में 1366 से अधिक उपभोक्ताओं ने अपना पंजीयन कराया है। साथ ही लगभग 02 करोड़ 70 लाख रुपए की मूलधन राशि कंपनी के खाते में जमा कराई

है। इसमें लगभग 01 करोड़ 53 लाख रूपए सरचार्ज माफ किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 3 नवंबर को ऊर्जा विभाग द्वारा लागू की गई समाधान योजना 2025-26 का शुभारंभ किया था, तब से लेकर अब तक दो दिनों में ही 1366 से अधिक उपभोक्ताओं ने अपना पंजीयन कराया है और सरचार्ज में छूट प्राप्त कर मूलधन राशि जमा कराने में उत्साह दिखाया है। कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने कंपनी के बकायादार उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे प्रथम चरण में ही एकमुश्त भुगतान कर इस योजना में शामिल होकर सरचार्ज में अधिकतम छूट का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि यह योजना उन बकायादार उपभोक्ताओं के लिए वरदान बनी है

जो सरचार्ज के कारण मूलधन राशि जमा नहीं कर पा रहे थे। अब उन्हें समाधान योजना के प्रथम चरण में सरचार्ज में 60 से लेकर 100 प्रतिशत तक छूट के साथ एकमुश्त अथवा किश्तों में भुगतान करने का विकल्प मिल रहा है।

समाधान योजना 2025-26 का उद्देश्य 3 माह से अधिक अवधि के उपभोक्ताओं को बकाया विलंबित भुगतान के सरचार्ज पर छूट प्रदान करना है। यह योजना जल्दी आएँ, एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएँ के सिद्धांत पर आधारित है। इस योजना में उपभोक्ता को प्रथम चरण में एकमुश्त भुगतान करने पर सबसे अधिक लाभ होगा जबकि द्वितीय चरण के दौरान छूट का प्रतिशत क्रमशः

कम होता जाएगा। यह योजना दो चरणों में प्रारंभ होकर प्रथम चरण की शुरुआत 3 नवंबर से 31 दिसंबर 2025 तक रहेगी जिसमें 60 से लेकर 100 प्रतिशत तक सरचार्ज माफ किया जाएगा। इसी तरह द्वितीय और अंतिम चरण में जो कि एक जनवरी से 28 फरवरी 2026 तक लागू रहेगी, इसमें 50 से 90 फीसदी तक सरचार्ज माफ किया जाएगा। प्रथम चरण में एकमुश्त राशि जमा कराने पर अधिकतम लाभ होगा। समाधान योजना 2025-26 का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल हेतु portal.mpcz.in पर पंजीयन कराना होगा। कंपनी के उपाय ऐप पर भी पंजीयन की सुविधा शीघ्र ही मिलने लगेगी।

पंजीयन के दौरान अलग-अलग उपभोक्ता श्रेणी के लिए पंजीयन राशि निर्धारित की गई है। घरेलू एवं कृषि उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 10 प्रतिशत तथा गैर घरेलू और औद्योगिक उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 25 प्रतिशत भुगतान कर पंजीयन करारक योजना में शामिल होकर लाभ उठा सकते हैं। विस्तृत विवरण तीनों कंपनियों की वेबसाइटों पर भी देखा जा सकता है साथ ही विद्युत वितरण केंद्र में पहुंचकर भी योजना के संबंध में जानकारी ले सकते हैं।

योजनान्तर्गत छूट प्राप्त करने की प्रक्रिया योजना के अंतर्गत उपभोक्ता के पास बकाया राशि का एकमुश्त अथवा किश्तों में भुगतान करने का विकल्प रहेगा। किश्तों में

भुगतान करने हेतु उपभोक्ता को पंजीकरण कराना होगा। बकाया विलम्बित भुगतान अधिभार (संचयी) की छूट का लाभ पाने हेतु एकमुश्त भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को छूट की राशि को घटाते हुए पूर्ण भुगतान करना होगा। किश्तों में भुगतान करने का विकल्प चुनने वाले उपभोक्ता द्वारा निर्धारित पंजीकरण राशि जमा कर, पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण कराते समय उपभोक्ता को संपर्क हेतु मोबाईल नम्बर देना होगा, जिससे भविष्य में आवश्यकता होने पर उपभोक्ता से सम्पर्क किया जा सके।



सुविचार

खेल चाहे ताश का हो या जिंदगी का अपना इक्का उसी समय दिखाना चाहिए जब सामने बादशाह हो। - अज्ञात

ओवैसी के निशाने पर तेजस्वी

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए प्रचार पर विराम लग गया है। अब दूसरे चरण के मतदान के लिए प्रचार ने गति पकड़ ली है। विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज होती जा रही है जिसे देखकर ऐसा लगता है कि वे जुबानदाजी करके ही चुनाव जीतना चाहते हैं। महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के चेहरे घोषित होने वाले तेजस्वी यादव कुछ ज्यादा ही बड़ चढ़कर बयान दे रहे हैं। जिन्हें भाजपा नेता करारा जवाब भी दे रहे हैं। किन्तु तेजस्वी यादव ने अक्सरद्वीन ओवैसी को चरमपंथी कहकर आ बैल मुझे मार वाली कहावत चरितार्थ कर ली है। अब ओवैसी अपनी हर चुनावी सभाओं में तेजस्वी यादव पर ही निशाना साध रहे हैं। उन्होंने पहले तो तेजस्वी यादव के इस दावे का मजाक उड़ाया जिसमें उन्होंने बिहार के हर परिवार से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने का वादा किया है। ओवैसी ने सवाल उठाया है कि लगभग ढाई करोड़ लोगों को तेजस्वी यादव कौन सी नौकरी देंगे जबकि केन्द्र सरकार के पास ही सिर्फ तीस लाख सरकारी कर्मचारी हैं। यदि वे ढाई करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी दे भी देते हैं तो उन्हें वेतन देने के लिए पैसा कहां से लाएंगे। तेजस्वी यादव ने बिहार के लोगों को बेवकूफ बनाने की कोशिश की है लेकिन कोई भी उनके झांसे में नहीं आएगा। ओवैसी ने तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला करते हुए यह भी बयान दिया है कि तेजस्वी यादव पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान के खिलाफ आपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद जब उन्होंने दुनिया के कई देशों में जाकर पाकिस्तान को बेनकाब किया था तो पाकिस्तानी मुझे चरमपंथी और आतंकवादी कहते थे। आज यही बात तेजस्वी यादव कह रहे हैं। ओवैसी ने वक्फ कानून को रद्दी की टोकरी में डालने के तेजस्वी यादव के बयान को भी हास्यास्पद बताया है और कहा है कि वे खुद वक्फ कानून के सख्त खिलाफ है लेकिन कोई भी राज्य सरकार केन्द्र सरकार द्वारा बनाये गये किसी भी कानून को अपने राज्य में लागू करने से रोक नहीं सकती। इस तरह का बयान देकर तेजस्वी यादव बिहार के मुसलमानों के वोट हासिल करना चाहते हैं जो उन्हें कर्दाई नहीं मिलेगा। बिहार में मुसलमानों की आबादी 18 प्रतिशत है और अब वे तो उपमुख्यमंत्री नहीं बल्कि मुख्यमंत्री बनेंगे। रही बात तेजस्वी यादव की तो उन्हें इस बार बिहार के मुख्यमंत्री नहीं बनने देंगे। कुल मिलाकर तेजस्वी यादव ने ओवैसी को छेड़ कर अपने लिए नई मुसीबत मोल ले ली है।

रेल हादस : जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्यवाही हो

एक ओर तो रेलवे ने यात्री किरायें में वृद्धि कर दी है और देश में बुनेट ट्रेन चलाने की कवायद कर रही है लेकिन दूसरी ओर साधारण यात्रियों की ट्रेनों में सुरक्षा की अनदेखी की जा रही है। नतीजतन आये दिन ट्रेन हादसे होना आम बात हो गई है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ में भी एक भीषण रेल हादसा हो गया। तौतौर-विलासपुर सेक्शन के बीच एक मेमू लोकल खड़ी माल गाडी के ऊपर जा चढ़ी। जिसकी वजह से लोकोपायलट सहित आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बीस यात्री घायल हो गये जिन्हें बोगी काटकर निकाला गया और उपचार के लिए अस्तपताल पहुंचाया गया। इन घायलों में भी दस लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। निश्चित रूप से यह दुर्घटना दुखद है और रेलवे स्टाफ ने रेल हादसे में मारे गये लोगों के परिजनों के लिए दस-दस लाख रूपये की तथा गंभीर रूप से घायल यात्रियों के लिए पांच-पांच लाख रूपये तथा सामान्य रूप से घायल लोगों के लिए एक- *एक लाख रूपये की सहायता राशि संभूर की है। किन्तु जिन घरों के चिराग इस हादसे में बुझ गये हैं उनका गम तो इससे दूर नहीं होगा उन्हें तो सही मायनों में न्याय तभी मिलेगा जब इस दुर्घटना के लिए जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्यवाही होगी।

सदगुरु बोधामृतम



सदगुरु ऋतेश्वर जी

❖ असली स्वतंत्रता यहीं पर है किसे चित में रखना है और किसे नहीं रखना है!

❖ था ? अब इससे ज्यादा स्वतंत्रता परमात्मा आपको क्या दे सकता।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1850 येर्बा, ब्यूना, और एंजिल द्वीप (एसएफ़् बे) सैन्य उपयोग के लिए आरक्षित किया गया। 1856 अंग्रेजी लेखक जॉर्ज एलियट द्वारा पहला काम लिपिक जीवन के दृश्य, प्रकाशन के लिए प्रस्तुत किया गया था। 1860 अब्राहम लिंकन अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति चुने गए। 1885 तीसरा आंग्ल और बर्मी युद्ध की शुरुआत हुई। 1915 द डेली ईस्टर्न न्यूज पेपर, ईस्टर्न इलिनोइस विश्वविद्यालय के छात्र संगठन के लिए प्रकाशित किया गया। 1917 अमरीकी आणविक उर्जा आयोग ने ऐमविटका द्यौप में सबसे बड़े भूमिगत हाइड्रोजन बम कैनिनक का परीक्षण किया। 1935 ब्रिटेन की लड़ाई में रॉयल एयर फ़ोर्स की हवाई जीत के 60व्र के लिए जिम्मेदार विमान, हेंकर टूफ़न ने अपनी पहली उड़ान बनाई। 1936 ग्रेट ब्रिटेन में ब्रिटिश जीवनी फ़िल्म रेखांड्रट का प्रीमियर हुआ। 1944 हैनफ्रेड एटॉमिक फेसिलिटी में पहली बार प्लूटोनियम का उत्पादन किया गया। 1945 पहली बार एक जेट विमान एफ़आर-1 फ़यरबॉल एक विमानवाही पोत यूएसएस वेक आईलैंड पर उतरा। 1949 यूनान में गृह युद्ध समाप्त हुआ। 1962 राष्ट्रीय रक्षा परिषद की स्थापना हुई।



एस.पी. तिवारी

कैटीन और शौचालय जैसी सुविधाएं अब निचले पायदान तक अनिवार्य हैं और ऐसे प्रावधानों के निर्धारण के क्रम में टेका श्रमिकों को भी शामिल किया जाता है। ये उपाय न्यूनतम अनुपालन से हटकर श्रमिकों के कल्याण के प्रति वास्तविक चिंता की दिशा में होने वाले बदलाव को दर्शाते हैं। सवाद और औद्योगिक सद्भाव औद्योगिक संबंध सहिता, 2020, नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच संबंधों में स्पष्टता लाती है और एक एकीकृत ढांचे के साथ तीन पुराने अधिनियमों की जगह लेती है। इसके तहत वीरय या उससे अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों के लिए शिकायत निवारण समितियां स्थापित करना अनिवार्य है ताकि विवादों के हलाल या भुवदम्बजी में बदल जाने से पहले ही उनका शीघ्र समाधान उच्च स्तर पर सुनिश्चित हो जाए। ट्रेड यूनियनों को एक समझौतावादी संघ या परिषद की अवधारणा के जरिए मान्यता हासिल होती है, जिससे सामूहिक सौदेबाजी को बल मिलता है और श्रमिकों को अपने कार्यस्थल को आकार देने में एक प्रभावी भागीदारी हासिल होती है। छटनी का सामना कर रहे श्रमिक अब 30 दिन का नोटिस और पचास मुआवजा पाने के हकदार हैं।



हरीश शिवनानी

आरोप था कि इवान रोड्रिग्स ने 'ब्रदर मैनुअल मिनिस्ट्रीज' के तहत लगभग 18 महीनों में 35 धार्मिक सभाएं आयोजित की थीं, जो क्लब के नियमों का उल्लंघन था। सदस्यों ने शिकायत की कि हॉल में ट्रांस म्यूजिक, अंधेरा कमरा और प्रचारात्मक सत्र हो रहे थे, जो धर्मांतरण (कन्वर्जन) जैसा लग रहा था। क्लब के अध्यक्ष विवेक देवनांनी ने कहा कि सदस्यों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास कर उनकी सदस्यता रद्द की थी। निश्चित ही यह कोई 'हिंदुत्ववादी साजिश' नहीं, बल्कि एक सेवयुवर क्लब का नियमों का पालन था। फिर भी, वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसे 'ईर्ष्या उदीर्जन' का मामला बना दिया। उनका पेटर्न साफ़ है- तथ्य नजरअंदाज, निजलिजी भावनात्मक अपील, और अंत में हिंदू और हिंदुत्व को खलनायक बनाना। जेमिमा की प्रतिभा, उनके मजहब की आड़ लेकर हिंदुत्व के खिलाफ़क़ुप्रचार का कुचक्र चला उनका यह खेल भी उन्हीं में से एक है।

पाठकों की बात

कल मेरे एक

कल मेरे एक बिहारी मित्र बहुत चिंतित थे कि अगर भारतीय जनता पार्टी बिहार हार गई तो क्या होगा? इसपर मैंने उन्हें सांत्वना दी कि चिंता न करो, बिहार हारने से भारतीय जनता पार्टी का कुछ नहीं होगा बल्कि, जो होगा वो तुम्हारा होगा- जैसे कि भारतीय जनता पार्टी बंगाल हारी तो बंगाल से हिंदुओं का पलायन हुआ और असम जीती तो असम से बांग्लादेशी घुसपैठियों का पलायन हुआ इसीलिए निर्णय भी आपका है क्योंकि भविष्य आपका है! ?? - कुमार संतोष

नई संहिताएं श्रम परिदृश्य को आधुनिक बनाने और असंतुलनों को दूर करेगी

भारत का कार्य जगत एक बदलाव के मुहाने पर खड़ा है। देश की श्रमशक्ति को लिखित अनुबंधों, पर्याप्त मजदूरी और व्यापक सामाजिक सुरक्षा द्वारा समर्थित औपचारिक रोजगार में तेजी से जगह मिलनी चाहिए ताकि विकास के लाभ सभी के लिए सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण आजीविका में बदल सकें। पुराने विनियामक ढांचों के बने रहने के चलते, आंशिक रूप से, औपचारिकीकरण की गति और उद्यमों की सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण नौकरियां सृजित करने की क्षमता सीमित हो गई है। वर्ष 2019 और 2020 के बीच संसद द्वारा मजदूरी, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कामकाज की स्थितियों के संबंध में पारित चार श्रम संहिताएं 2002 में रवींद्र वर्मा की अध्यक्षता वाली द्वितीय राष्ट्रीय श्रम आयोग द्वारा परिकल्पित लंबे समय से लंबित सुधारों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इस श्रम आयोग का मिशन तत्कालीन मौजूदा श्रम ढांचे को संहिताबद्ध, सरल और संशोधित करना था। ये नई संहिताएं देश के श्रम परिदृश्य को आधुनिक बनाने और संरचनात्मक असंतुलनों को दूर करने हेतु एक व्यापक ढांचा प्रदान करती हैं। सभी राज्यों में इनका एकसमान कार्यान्वयन अब एक बेहद जरूरी राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है।

ये नई संहिताएं 29 केन्द्रीय श्रम कानूनों को सरल और आधुनिक बनाती हैं। इन कानूनों में से कई बीसवीं सदी के मध्य के हैं। इन संहिताओं का उद्देश्य न केवल कानूनों का विलय करना है, बल्कि श्रमिकों/कर्मचारियों की विभिन्न परिभाषाओं के एक समरूप परिभाषा में बदलना भी है। प्रत्येक संहिता श्रमिकों के अधिकारों और कल्याण को सुदृढ़ करती है और साथ ही नियोक्ताओं के लिए स्पष्टता और पूर्वानुमेयता प्रदान करती है।

उचित मजदूरी और श्रम की गरिमा

वेतन संहिता, 2019 प्रत्येक श्रमिक को श्रम की गरिमा का सम्मान करने वाला वेतन सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सार्वभौमिक न्यूनतम वेतन और एक राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन लागू करके, यह संहिता इस बात को गारंटी देती है कि कोई भी श्रमिक, चाहे वह किसी भी पेशे या स्थान से जुड़ा हो, एक बुनियादी मानक आय से



वंचित नहीं रहेगा। उद्योग की अनुसूची को समाप्त करने से सार्वभौमिक वेतन का मार्ग प्रशस्त होता है।

समय पर भुगतान के प्रावधानों को मजबूत किया गया है। इससे देरी की वह समस्या दूर हुई है, जो पहले परिवारों को कर्ज में धकेल देती थी। अब कर्मचारी अप्रदत्त वेतन या बोनस का दावा आसानी से कर सकते हैं और ऐसे विवादों में सबूत पेश करने का भार नियोक्ता पर होता है, जिससे जवाबदेही बढ़ती है। साथ ही, यह संहिता उद्यमों के लिए अनुपालनों को सुव्यवस्थित करती है। इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड-कीपिंग, एकल पंजीकरण एवं एकीकृत रिटर्न कागजी कार्रवाई को कम करते हैं और हेरफेर की आशंकाओं को घटाते हैं।

सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार

सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 आजाद भारत में कल्याण के सबसे समावेशी विस्तारों में से एक है। कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम और मातृत्व लाभ अधिनियम सहित नौ प्रमुख कानूनों को एकीकृत करके, यह संहिता एक ऐसी एकीकृत प्रणाली स्थापित करती है जो पारंपरिक और भविष्य के कार्य, दोनों को कवर करती है। यह पहली बार है जब गिंग श्रमिकों, प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों और असंगठित क्षेत्र के लोगों को स्पष्ट रूप से राष्ट्रीय श्रमशक्ति का हिस्सा माना गया है। प्रत्येक श्रमिक को ई-श्रम पोर्टल के जरिए पंजीकृत किया जाएगा और एक विशिष्ट सामाजिक सुरक्षा संख्या प्रदान की जाएगी, जिससे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और मातृत्व सहायता जैसे लाभों का

जेमिमा रोड्रिग्स– आरस्था के आंसू और बौद्धिक कुप्रचार

देश इस समय खुमारी में है। महिला क्रिकेट का विश्व कप जीत कर जहाँ एक ओर देशवासी जीत के जश्न में हैं वहीं दूसरी तरफ़ हंसक खिलाड़ी की आड़ में कुप्रचार के एक ऐसे खेल से जूझ रहे हैं जो हमारी सामाजिकता और खेल भावना के लिए बेहद घातक है। इस कुप्रचार की शुरुआत हुई वर्ल्ड कप के सेमीफ़ाइनल में भारत की जीत के बाद बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स के भवुक उद्बोधन से।

सेमीफ़ाइनल में 127 रन की शानदार नाबाद पारी के लिए जेमिमा को 'प्लेयर ऑफ़ द मैच' चुना गया। इसके पुरस्कार वितरण समारोह में जेमिमा ने जीसस के प्रति भावपूर्ण आभार व्यक्त किया, फिर आंसुओं से भीगे उद्बोधन में बाइबिल में लिखी चंद पंक्तियां उद्धृत करते हुए अपनी पारी को चिंता से उभरने का 'चमत्कार' बताया। इसके तुरंत बाद शुरू हो गया सोशल मीडिया पर भारत के कथित सेक्युलर वामपंथी बुद्धिजीवियों का हिंदुत्व के खिलाफ कुप्रचार का खेल। जेमिमा का चतकव्य उनकी आस्था की व्यक्तिगत अभिव्यक्ति थी, लेकिन भारत के कथित प्रगतिशील, सेक्युलर वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसे तुरंत एक राजनीतिक हथियार बना लिया। वरिष्ठ पत्रकार राजदीप सरदेसाई ने 'एक्स' पर लिखा: «दक्षिणपंथियों ने जेमिमा और उनके परिवार को उनकी धार्मिक आस्था के लिए ट्रोल किया है। उम्मीद है कि कुछ लोग आज शर्म से गड्डे में सिर छिपा लें।- हिंदी की लेखिका मधु कांकरिया ने फेसबुक पर पोस्ट की -विजय के इस क्षण के पीछे उसकी (जेमिमा) वेदना का मार्मिक इतिहास छिपा है। इसे उसकी धार्मिक मान्यताओं और पहचान को लेकर उसकी निजता पर हमला बोला गया। कट्टरपंथियों द्वारा ट्रोल किया गया।- सच यह है कि राजदीप सरदेसाई की छवि साफ़तौर पर एक एजेंडवादी पत्रकार की रही है। इसी छवि के कारण वे कई बार विवादों में भी रह चुके हैं। उधर, यह भी पहली बार नहीं है जब औसत दर्जे की लेखिका मधु कांकरिया ने इस प्रकार का



नरैशन गढ़ा हो। अगस्त 2024 में बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद जब अल्पसंख्यक हिन्दू समुदाय पर बेहद हिंसक अत्याचार हो रहे थे, महिलाओं से बलात्कार, घरों में लूटपाट, मंदिरों में तोड़फेड़ जैसी हिंसक वारदातों की खबरें अंतरराष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियां बन रही थीं, उस भीषण दौर में भी मधु कांकरिया ने -बांग्लादेश में मामूली तनाव है।- जैसी संवेदनहीन टिप्पणी कर मुस्लिम कट्टरपंथियों की हिसा से ध्यान भटकाने का प्रयास किया था। उनकी यह टिप्पणी भी काफ़ी विवादस्पद रही थी लेकिन कथित प्रगतिशील वामपंथी उनके पक्ष में आ गए। जेमिमा वाले प्रसंग में भी 'उसकी धार्मिक मान्यताओं और पहचान को लेकर उसकी निजता पर हमला' जैसी मिथ्या टिप्पणी भी उसी मानसिकता का परिचय है। ऐसे ही माहौल में अपने आप को जाति और धर्म से निपेक्ष कहने वाले डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म प्रोड्यूसर आनंद पटवर्द्धन ने भारत की जीत का श्रेय पूरी टीम के बजाए सिर्फ 'ईसाई और सिक्ख' खिलाड़ियों को दे दिया तो राजस्थानी के एक वरिष्ठ कवि मालचंद तिवाड़ी ने जेमिमा की प्रतिभा की बजाए उसके मजहब को प्रमुखता देते हुए -एक ईसाई भारतीय बेटी को सैक्यूट-

सीधा वितरण संभव हो सकेगा। यह सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय व राज्य सामाजिक सुरक्षा कोष बनाए जायेंगे कि ऐप-आधारित डिलीवरी पार्टनर या निर्माण कार्यों में संलग्न मजदूर जैसे श्रमिक भी अब सुरक्षा के दायरे से बाहर न रहें और निधियों का समग्र प्रबंधन संभव हो।

इस संहिता में करियर केन्द्र, डिजिटल एवं भौतिक प्लेटफ़ॉर्म भी शामिल हैं जो व्यावसायिक मार्गदर्शन, परामर्श और रोजगार सेवाएं प्रदान करेंगे। यह संस्थापत समर्थन कल्याण को बहु-रोजगार क्षमता से जोड़ेगा, जिससे श्रमिकों को असुरक्षा की स्थिति से निकलकर अवसर की दिशा में बढ़ने में मदद मिल सकेगी।

कार्यस्थल पर सुरक्षा, गरिमा और समानता

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियां संहिता, 2020 (ओएसएच संहिता), राष्ट्र निर्माण करने वालों की देखभाल और उनके प्रति जिम्मेदारी का एक संदेश है। ःप्रतिष्ठान- की परिभाषा को व्यापक बनाकर, यह संहिता उन लाखों लोगों को सुरक्षा प्रदान करती है जो पहले सुरक्षा कानूनों के दायरे में नहीं आते थे।

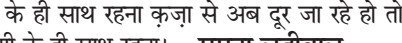
यह श्रमिकों के नि:शुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच को अनिवार्य करती है और नियोक्ताओं से कर्मचारियों पर कोई अनियंत्रित डाँले बिना सुरक्षित एवं स्वच्छ कार्यस्थल बनाए रखने की अपेक्षा करती है। राष्ट्रीय व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सलाहकार बोर्ड का गठन बदलती औद्योगिक परिस्थितियों के अनुरूप सुरक्षा मानकों का विकास सुनिश्चित करता है। ओएसएच संहिता लैंगिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति सुनिश्चित करती है। महिला श्रमिकों को सभी प्रतिष्ठानों और रात्रि पाली में काम करने की अनुमति है, बशर्ते पर्याप्त सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्थाएं उपलब्ध हों। इससे अधिक संख्या में महिलाओं को श्रम बल में शामिल होने व बने रहने का अधिकार मिलता है। प्रवासी श्रमिकों को भी एक राष्ट्रीय पंजीकरण प्रणाली के जरिए मान्यता हासिल होती है। इससे कल्याणकारी योजनाओं और आवागमन संबंधी लाभों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित होती है और बेहतर जीवन एवं आजीविका सुनिश्चित करने हेतु कानूनी ढांचे की निगरानी संभव होती है।

जेमिमा रोड्रिग्स– आरस्था के आंसू और बौद्धिक कुप्रचार

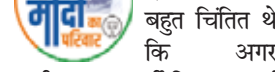
टोक डाला। माकपा की पूर्व सांसद सरला माहेश्वरी ने तो आनन-फ़ानन में जेमिमा पर 'कविता' लिख डाली। ये उदाहरण उनकी उस दोहरी मानसिकता के हैं जो समाज के किसी व्यक्ति की योग्यता-प्रतिभा-विशेषज्ञता से ऊपर उसकी जाति समुदाय और धर्म, मज़हब को रखते हैं।

जेमिमा के शतकीय पारी की सफलता का श्रेय जीसस और बाइबिल को देने की प्रगतिशील कवि-लेखक और स्वयंभू बुद्धिजीवी वर्ग ने हिंदुत्ववादी ताकतों के खिलाफ एक नरैत्रिय बना दिया। वे इसे 'एक ईसाई लड़की का जज्बा हिंदुत्व के खिलाफ और जेमिमा की पारी को 'ईसाई हिम्मत' का प्रतीक बनाते लगे, जबकि वास्तविकता यह है कि जेमिमा का संबंध खेल से है और वो एक खिलाड़ी है। उनकी सफलता उनकी प्रतिभा, टीमवर्क और व्यक्तिगत आस्था का परिणाम थी, न कि कोई मज़हबी मसला, लेकिन किसी भी अल्पसंख्यक (मुस्लिम या ईसाई) से जुड़े मुद्दे को तुरंत मजहबी रंग देकर हिंदू धर्म, हिंदुत्व और दक्षिणपंथी ताकतों के खिलाफकुप्रचार शुरू कर देना भारत के कथित सेक्युलर वामपंथी धड़े की पुरानी पहचान रही है। तथ्यों से देखें तो जेमिमा ने स्वयं कभी ट्रेलिंग या हिंदू, हिंदुत्व या दक्षिणपंथ की बात नहीं की, लेकिन वामपंथी धड़ों ने नरैटिव थोप दिया। इसके लिए वे दो घटनाओं को मिथ्याधार बनाते हैं। एक जेमिमा का 'मिरेकल हौलिंग' वाला इंटरव्यू 2023 में, पांडेकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया के शो 'द रणवीर शो' में जेमिमा ने अपनी कई 'मिरेकल हौलिंग' की घटनाओं का जिक्र किया, जैसे: क्रिकेट के दौरान लगी चोटें,जो प्रार्थना और विश्वास से जल्दी ठीक हो गईं। दूसरी है खार जिमखाना की। अक्टूबर 2024 में मुंबई के ऐतिहासिक खार जिमखाना ने जेमिमा की मानद सदस्यता रह कर दी थी। यह कार्रवाई जेमिमा के पिता इवान रोड्रिग्स द्वारा क्लब में अनाधिकृत धार्मिक सभाएं करने के कारण हुई थी।

पाठकों की बात पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया



कल मेरे एक



भारतीय जनता पार्टी बिहार हार गई तो क्या होगा? इसपर मैंने उन्हें सांत्वना दी कि चिंता न करो, बिहार हारने से भारतीय जनता पार्टी का कुछ नहीं होगा बल्कि, जो होगा वो तुम्हारा होगा- जैसे कि भारतीय जनता पार्टी बंगाल हारी तो बंगाल से हिंदुओं का पलायन हुआ और असम जीती तो असम से बांग्लादेशी घुसपैठियों का पलायन हुआ इसीलिए निर्णय भी आपका है क्योंकि भविष्य आपका है! ?? - कुमार संतोष

मन कहूँ, मस्तिष्क

मन कहूँ, मस्तिष्क कहूँ या हृदय कहूँ, इन विचार तरंगों में मैं क्या कहूँ, उत्पन्न से उफ़न्ते तक एक धार है, बस जन्म पर जीवन की यह मार है,, जो चलन है जन्म का मृत्यु तक, है समाहित शिव इसे मैं क्या कहूँ, मन कहूँ, मस्तिष्क कहूँ या हृदय कहूँ, इन विचार तरंगों को मैं क्या कहूँ, जीता हूँ, ना मर ही जाता हूँ मैं, संसार अथर तक रह जाता हूँ मैं, ना पूर्ण हुआ, ना दिया पूर्णतः को मैं, इस निश्चय मार्ग को मैं क्या कहूँ, मन कहूँ, मस्तिष्क कहूँ या हृदय कहूँ, इन विचार तरंगों को मैं क्या कहूँ। - ललित उपाध्याय

बहुत मशक्कत की तुमने कमाने में

बहुत मशक्कत की तुमने कमाने में। थोड़ा अब खर्च कर दो मुस्कुराने में॥ एक हम ही तो बुरे नहीं हैं दुनिया में। एक तुम ही नहीं अच्छे हो जमाने में॥ दूरियाँ बनाने में पलभर नहीं लगता। इक उम्र लग जाए है क्रीब आने में॥ लौट कर परिदे आए तो कहाँ जाए। किसने लगाई है आग आशियाने में॥ आज का दिन हम सबके लिए मंगलमय हो। – कमतकांत डोंगरे

ये किसने कह दिया सन्त्रास दूंगी

ये किसने कह दिया सन्त्रास दूंगी त्रासदी हूँ मैं, समय के भाल पर शोभित निरन्तर नव सदी हूँ मैं, मेरी कल कल ने वादा कर लिया है घाट से कल का नदी हूँ मैं, नदी हूँ मैं , नदी हूँ मैं, नदी हूँ मैं!! - नीरू श्री

मुझे अँधेरा समझ रहे हो तो रोशनी

मुझे अँधेरा समझ रहे हो तो रोशनी के ही साथ रहना नज़र मेरी तुम पे ही रहेगी सलामती के ही साथ रहना कभी तुम्हारी न आँख नम हो हंसी

QUIZ TIME

- महाराजा नारा सिंह हवाई अड्डा कहाँ स्थित है?
- भारत का पहला जीआई-टैग अजींर जूस किस देश को निर्यात किया गया?
- हाल ही में खबरों में रहा पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य किस राज्य में स्थित है?
- हाल ही में खबरों में

- रहा पर्ल स्पॉट (एंटोप्लस सुरटेनिसस) क्या है?
- कॉमनवेल्थ गेम्स-2022 में भाग लेने वाला भारत का सबसे कम उम्र का एथलीट कौन बन गया है?



(५) ્ਰਮਾਕੁਝ (७) ਰਮਾਕੁਝ (੯) ਝ੍ਰਮਾਕੁਝ (੮) ਰਮਾਕੁਝ (1) -ਰਮਾਕੁਝ੨੦੨੬

खुशी के ही साथ रहना क़ज़ा से अब दूर जा रहे हो तो जिन्दगी के ही साथ रहना। – ममता लड़ीवाल

मोहब्बत को नया कारोबार लिखूँ

मोहब्बत को नया कारोबार लिखूँ क्या... फिर से नयी कहानी को फिरदार लिखूँ क्या... दिल के धड़कनों को एतबार लिखूँ क्या... आँखों से ढ़ुलकने आँसूँ इंतजार लिखूँ क्या... किरचें हुए ख़ुवाब तो इंकार लिखूँ क्या... टूट के बिखरे आस करार लिखूँ क्या... मोहब्बत के चुभें लहज़े इक़्रार लिखूँ क्या... ज़र्ज़-ज़र्ज़ा बिखरी साज़ रह बेज़ार लिखूँ क्या... कि वफ़ ने ली चुप्पी तलबगार लिखूँ क्या...!! – नंदिता तनूजा

मुझ में अत्यधिक कमियां मौजूद

मुझ में अत्यधिक कमियां मौजूद है। जिन्होंने मेरी कमियाँ के बारे में मुझे बताया नहीं। वह मुझ से स्वाध्र पूर्ण आवश्यकता अनुभार कार्य कराते रहे। जिन्होंने मेरे बारे में सोचा और मुझे कमियों के बारे में वार्तालाप कर उसमें सुधार करने को निःस्वार्थ पूर्ण सहयोग किया। आपका आभारी हूँ। – गोरी पटले

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य - 219	
बाद्यं से यादं 1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. स्वस्थ और मुक्तों की जीवित नलीनार, पात्र 3.मनमें तंवाज्द सिरारके की आनंद, रोज़गार 4. कर देने वाला 17. एक सुंदर रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खुदा आग की ज्वाला, ढक 5. फुलानर बुधा 19. भनी, बीवी 20. से लक्ष्यकी 11. शिफारस करी नजर दिखारारार 7. प्रतिकार, शोषणका गवाहिनार सुगीन सुनार 2. अक्षर से मूँखे 1. कामने की क्षिया 12. आचार, मोहबतली 3. बहलन की दुखाएं लेती हैं 1. जफ़्त, ज़ातक, बहक 2. गंगा 13. भुगत करार, नाना मनोकामना, अयकाम, वीरता 14. किराड को नंदन 15. बंद करने 16. अग्राईतय 16. योग, हट की फिल्ल 11. कलतल गिरा 13. लगा छुट, कच्छरी 3. मान के 18. नम्रगुर, चान 19. वाज, आपसी व्यवहार का संबंध, वारता 20.अलंके टुकड़े 4. याथा, दखल।	
शब्द सामर्थ्य क्रमांक 218 का हल 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20	मै दा न स र ग भ क्री सी शं शा क्ष री सा ह स ख्या न त स म झी ता व र र म लं वि ला र दा प क्री न ज सा मा न ता ज वा हि या त म त र की व ना खा ली

पीएम आवास योजना में संतोषजनक प्रगति नहीं होने पर एक आवास कलस्टर प्रभारी निलंबित

एक आवास प्रभारी ब्लॉक समन्वयक सहित तीन आवास कलस्टर प्रभारियों का वेतन काटने के निर्देश

कलेक्टर विश्वकर्मा की अध्यक्षता में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

रायसे न/नवप्रदेश। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों तथा योजनाओं के क्रिया-व्ययन की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण 2024-25 की किस्तवार और आवास निर्माण प्रगति की कलस्टरवार और जनपदवार समीक्षा करते हुए औबेदुल्लाखंज

जनपद क्षेत्र अंतर्गत प्रगति संतोषजनक नहीं होने पर एडीईओ को निलंबित कर दिया है तथा सिलवानी क्षेत्र के चार एडीईओ को नोटिस जारी किया है। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण 2024-25, प्रधानमंत्री आवास योजना समग्र सीडिंग की जानकारी, स्वच्छ भारत मिशन, सामुदायिक स्वच्छता परिसर की निर्माण की जानकारी, नवीन पंचायत भवन, अटल ग्राम सेवा सदन, आंगनबाड़ी भवन, शौचालय निर्माण की प्रगति, मनरेगा के एक बगिया मां के नाम परियोजना की हिराग्राहीवार समीक्षा



करने के साथ ही जल गंगा भी जानकारी ली। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने प्रधानमंत्री आवास में जनपद पंचायत औबेदुल्लाखंज में आवास प्रभारी ब्लॉक समन्वयक के कार्य प्रगति निम्न होने के कारण सात दिवस का वेतन

काटने के निर्देश दिए। इसी प्रकार औबेदुल्लाखंज आवास कलस्टर प्रभारी चिकलोद, उमरावगंज बगासपुर की एक-एक वेतन वृद्धि रोकने के नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। एक माह में कार्य में प्रगति न होने पर वेतन वृद्धि रोकने की कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सिलवानी में आवास प्रभारी की सात दिवस का वेतन रोकने एवं कलस्टर प्रभारी प्रतापगढ़ की प्रगति कम होने के कारण निलंबन की कार्रवाई की गई। सियरमऊ आवास कलस्टर प्रभारी की प्रगति निम्न होने के कारण आवास कलस्टर प्रभारी को भी नोटिस जारी किया गया। जनपद पंचायत

उदयपुरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी की योजनाओं में प्रगति कम होने के कारण एक वेतन वृद्धि रोकने का नोटिस जारी किया गया, तो वहीं केलकच्छ ग्राम पंचायत में निर्माण कार्यों में की गई लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त कर निर्माण कार्यों की जांच के निर्देश जारी किए गए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा के निर्देश पर प्रभारी जिला पंचायत सीईओ श्री मनोज उपाध्याय द्वारा संबंधितों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना की पहली, दूसरी तथा तीसरी किश्त के भुगतान की जानकारी लेते हुए

सभी जनपद सीईओ तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवास निर्माण कार्य को समयावधि में पूर्ण कराया जाए। साथ ही जनपदवार समग्र सीडिंग के कार्य की समीक्षा कर तीव्रता से कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जनमन योजना में निर्माणधीन प्रधानमंत्री आवासों को पूर्ण कराने के लिए भी कहा। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने 'एक बगिया मां के नाम' परियोजना की जनपदवार समीक्षा करते हुए पौधे लगाने में मजदूरी कार्य और जियो टैग फोटो के कार्य में सी प्रतिशत प्रगति पूर्ण कार्य कराने हेतु जनपद सीईओ को निर्देशित

न्यूज गैलरी

29वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2026 के अंतर्गत जिला स्तरीय युवा उत्सव 11 नवंबर को

बैतूल/नवप्रदेश। 29वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2026 के अंतर्गत मप्र शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 11 नवम्बर 2025 मंगलवार को किया जाएगा। यह आयोजन शासकीय पीएमश्री जेएच महाविद्यालय बैतूल के ऑडिटोरियम हॉल में प्रातः 10 बजे से आरंभ होगा। इस वर्ष महोत्सव की थीम 'सांस्कृतिक और नवाचार' पर आधारित रहेगी। आयोजन का उद्देश्य जिले के युवाओं में रचनात्मकता, सांस्कृतिक चेतना और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करना है। जिलेभर के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवक-युवतियां इस प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

सात विधाओं में होगी प्रतियोगिता

जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि युवा उत्सव में कुल सात विधाओं में प्रतिभागिता होगी। प्रत्येक विधा के लिए प्रतिभागियों की संख्या निर्धारित की गई है। जिसमें भाषण प्रतियोगिता में 2 प्रतिभागी, कहानी लेखन में 2 प्रतिभागी, पेंटिंग में 2 प्रतिभागी, समूह लोकनृत्य में 10 प्रतिभागी, समूह लोकगायन में 10 प्रतिभागी, कविता लेखन में 2 प्रतिभागी तथा विज्ञान मेला प्रदर्शनी में 2 प्रतिभागी की संख्या होगी। जिला स्तर पर चयनित प्रतिभागी राज्य स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेंगे। समूह लोकनृत्य में अधिकतम 15 मिनट का समय और 5 मिनट मंच सज्जा के लिए दिया जाएगा। प्री रिकॉर्डिंग सप्तीत का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। समूह लोकगायन के लिए 7 मिनट का समय निर्धारित है। इसमें क्षेत्रीय भाषा और मौलिक प्रस्तुति को प्राथमिकता दी जाएगी। कहानी लेखन में 60 मिनट की समय सीमा और अधिकतम 1000 शब्द तय किए गए हैं। पेंटिंग प्रतियोगिता की थीम 'नशा मुक्त युवा' एवं 'स्वस्थ जीवनशैली' रहेगी, जबकि भाषण प्रतियोगिता के विषय 'भारत में आपातकाल एवं संविधान का उद्बोधन' तथा 'लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक मूल्यों का संरक्षण' निर्धारित किए गए हैं। कविता लेखन हिन्दी, अंग्रेजी अथवा स्थानीय भाषा में किया जा सकेगा। वहीं, विज्ञान मेला प्रदर्शनी में छात्र नवाचार थीम पर आधारित प्रोजेक्ट जैसे जैव प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स, एआई, नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण आदि विषयों पर प्रस्तुति देंगे।

ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से होगा पंजीयन प्रक्रिया

उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को 'माय भारत' पोर्टल <https://mybharat.gov.in> पर 'VolunteerforBharat' विकल्प के तहत 29वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव जिला स्तरीय 2026 ईवेंट में आवेदन करना होगा। साथ ही प्रतिभागी जिला युवा कार्यालय से फॉर्म लेकर आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, जन्म प्रमाणपत्र/10वीं अंकसूची की प्रति तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो के साथ आवेदन जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए एम रामनारायण शुक्ला, विकासखण्ड युवा समन्वयक मो. 9926420212 से संपर्क किया जा सकता है।

केन्द्रीय राज्यमंत्री उईके आकाशवाणी के

लोकप्रिय कार्यक्रम हमारा बैतूल में हुए शामिल

10 नवंबर 2025 को रात्रि 8.15 बजे जनजातीय गौरव दिवस के संदेश का होगा प्रसारण

बैतूल/नवप्रदेश। जिले में जनहितकारी योजनाओं की जानकारी अब लोगों तक सीधे उनके जनप्रतिनिधि की जुबानी पहुंचेगी। केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं बैतूल-हरदा-हरसूद लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री दुर्गादास उड्डे ने आकाशवाणी बैतूल के स्टूडियो में 4 नवंबर 2025 को आकाशवाणी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'हमारा बैतूल' के लिए जनजातीय गौरव दिवस के विषय में

रिकॉर्डिंग दी है। इस विशेष प्रसारण को श्रोता 10 नवंबर 2025 को एफएम 103.1 मेगाहर्ट्ज तथा हरदहदहदहदहद पर रात्रि 8-15 से 8-45 बजे तक सुन सकेंगे। कार्यक्रम में श्री उड्डे ने जनजातीय उत्थान और आगामी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की है।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री



उड्डे ने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विशेष रूप से जनजातीय कार्य मंत्रालय की योजनाओं, जनजातीय गौरव दिवस तथा बैतूल जिले के सर्वांगीण विकास पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि 15 नवंबर 2024 से 15 नवंबर 2025 तक भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती वर्ष को पूरे देश में जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस भेंटवार्ता

के दौरान केन्द्रीय मंत्री श्री उड्डे ने जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के प्रयास, जनजातीय संस्कृति, कला, परंपरा और खेलों के संरक्षण व प्रोत्साहन, जनजातीय महिलाओं के नेतृत्व व उद्यमिता, विकास के लिए योजनाएं, भारतीय ज्ञान परंपरा, औषधीय पौधों और योग की दिशा में कार्य, सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन के लिए चल रहे प्रयास, जनजातीय पर्यटन सर्किट और होम स्टे की संभावनाएं,

जनजातीय युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण से जोड़ने की पहल, जनजातीय कला एवं बुनाई को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने की योजनाएं, बैतूल जिले के कोरकू और गोंड जनजातीयों के उत्थान के लिए विकास योजनाओं पर आवश्यक जानकारी दी।

कार्यालय परिसर का निरीक्षण कर किया पौधारोपण

कार्यक्रम के अंत में केन्द्रीय मंत्री श्री उड्डे ने अपनी मातृभाषा गोंडी में लोकगीत की पंक्तियां भी प्रस्तुत कीं, जिससे वातावरण आत्मीय हो उठा। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री उड्डे ने कार्यालय परिसर की स्वच्छता का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर केंद्र के नोडल अधिकारी ओपी भूमकर, कार्यक्रम प्रमुख सचिन भागवत, प्रसारण अधिकारी प्रशांत नारनवरे, प्रवीण चौरे सहित आकाशवाणी बैतूल के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी एवं कार्यक्रम प्रस्तुतकर्ता उपस्थित रहे।

खेल शरीर के साथ ही मन, मस्तिष्क और आत्मा

को भी संतुलित रखते हैं – केन्द्रीय कृषि मंत्री

खेल युवाओं को अनुशासन, एकता और परिश्रम की राह दिखाते हैं – राजस्व मंत्री वर्मा

ग्राम धामंदा में सांसद खेल महोत्सव के तहत खेल प्रतियोगिता आयोजित

सीहोर/नवप्रदेश। जिले के ग्राम धामंदा में सांसद खेल महोत्सव 2025 के अंतर्गत खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और राजस्व मंत्री श्री करणसिंह वर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने शहीद नायक श्री जितेंद्र कुमार की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा है। खेल केवल शरीर को स्वस्थ नहीं बनाते बल्कि मन, मस्तिष्क और आत्मा को भी संतुलित रखते हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई युवा खेल मैदान में पसीना



बहाता है, तो वह केवल अपनी जीत के लिए नहीं बल्कि अपने व्यक्तित्व के निर्माण के लिए संघर्ष करता है। खेलों से व्यक्ति में अनुशासन, संयम, परिश्रम और टीम भावना जैसे गुणों का विकास होता है, जो जीवन के हर क्षेत्र में सफलता का आधार बनते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज 'फिट इंडिया मूवमेंट' और 'खेलो इंडिया' जैसे अभियानों के माध्यम से युवाओं को नयी दिशा दे रहा है। देशभर में खेलों की नई संस्कृति विकसित हो रही है, जिसमें गांवों से लेकर शहरों तक हर प्रतिभा को आगे आने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा

उद्देश्य है कि हर गांव से खिलाड़ी निकले, हर बच्चा खेलों से जुड़े और भारत खेल के क्षेत्र में भी निरंतर आगे बढ़े। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री करणसिंह वर्मा ने कहा कि खेल जीवन का सबसे सुंदर अध्याय है। उन्होंने कहा कि खेल हमें सिखाते हैं कि जीत और हार दोनों को समान भाव से स्वीकार करना चाहिए। खेलों से न केवल शरीर मजबूत होता है बल्कि मन भी दृढ़ होता है। एक खिलाड़ी कभी निराश नहीं होता, वह हर हार से सीखता है और अगली बार और बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लेता है। यही भावना समाज और राष्ट्र निर्माण की असली शक्ति है।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन, एकता और परिश्रम की राह दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि आज का युवा अगर मैदान में समय देगा तो कल वह किसी न किसी क्षेत्र में अवश्य चमकेगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश के युवाओं में असीम ऊर्जा और प्रतिभा है, जरूरत केवल अवसर और दिशा की है। सांसद खेल महोत्सव जैसे आयोजन इसी दिशा में एक बड़ी पहल हैं। केन्द्रीय कृषि मंत्री एवं राजस्व मंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के फिट इंडिया मूवमेंट (खेलो इंडिया) तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा सांसद खेल महोत्सव 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 21 सितंबर से 25 दिसंबर तक ग्राम, मंडल और जिला स्तर पर कैलेंडर अनुसार विविध खेल गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।

मां नर्मदा एवं तवा के संगम तट बांद्राभान

पर प्रारंभ हुआ बांद्राभान मेला



सांसदगणों, विधायकगणों, कलेक्टर तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने सामूहिक पूजन अर्चन कर किया बांद्राभान मेले का शुभारंभ लाखों की संख्या में पहुंचते हैं श्रद्धालु, प्रशासन ने की बेहतर व्यवस्थाएं

नर्मदापुरम/नवप्रदेश। मां नर्मदा एवं तवा के संगम तट बांद्राभान में सोमवार 03 नवंबर से तीन दिवसीय बांद्राभान मेले का शुभारंभ हुआ। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक नर्मदापुरम डॉ सीतासरन शर्मा, लोकसभा सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, सोहागपुर विधायक श्री विजयपाल सिंह, कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, पुलिस अधीक्षक श्री साई कृष्ण एस थोटा, मध्य प्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष श्री पीयूष शर्मा, सीईओ मेला प्राधिकरण श्री राजेश श्रीवास्तव, सीईओ जिला पंचायत श्री हिमांशु जैन, नगर पालिका नर्मदापुरम की अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव, नगर पालिका इटारसी के अध्यक्ष पंकज चौरे, जनपद अध्यक्ष श्री भूपेंद्र चौकसे, प्रीति शुक्ला, महेन्द्र यादव, आशुतोष तिवारी, मोहन गुबरेले सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने विधिवत पूजा अर्चना कर मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर एसडीएम नर्मदापुरम श्री जय सोलंकी, एसडीओपी श्री जितेंद्र पाठक, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड श्री विनोद ओशो गौतम, जनपद सीईओ श्री रंजीत त्राम, प्लाटून कमांडर अमृता दीक्षित सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कलेक्टर सुश्री मीना एवं पुलिस अधीक्षक श्री साई कृष्ण एस थोटा ने अधिकारियों के साथ मोटरबोट के माध्यम से नदी मार्ग द्वारा मेला क्षेत्र पर व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया एवं मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि कार्तिक मास की पूर्णिमा के अवसर पर लगने वाला सुप्रसिद्ध बांद्राभान मेले में लाखों की संख्या में श्रद्धालु स्नान के लिए पहुंचते हैं। जिसे ध्यान में रखते हुए जिला नर्मदापुरम प्रशासन द्वारा सभी

आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। जनपद सीईओ नर्मदापुरम श्री रंजीत त्राम ने बताया कि तीन दिवस तक आयोजित होने वाला मेला 06 नवंबर तक चलेगा। मेले में नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, सीहोर, भोपाल, राजगढ़ एवं अन्य जिलों से आने वाले यात्रियों व श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान में रखते हुये मेला स्थल के पहुंच मार्गों को दुरुस्त किया गया है। मेले के लिए मुख्य घाट सहित अन्य प्रमुख स्नान घाटों तक के रेतिले क्षेत्र में आवामन सुलभ बनाया गया है। मेला स्थल पर नदी में गहरे पानी में जाने से लोगों को रोकने के लिए बैरिकेडिंग की गई है। शुद्ध पेयजल की भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उचित यातायात प्रबंधन तथा जाम से निजात पाने के लिये अलग-अलग स्थानों पर पार्किंग बनाई गई है, जिससे मार्ग पर कोई अवरोध उत्पन्न ना हो एवं वाहनों की आवा जाही सतत रूप से तैयार रहे। उन्होंने बताया कि स्नान के दौरान गहरे पानी में श्रद्धालुओं को डूबने से बचाने व अन्य किसी प्रकार की आपात स्थिति से बचाव के लिए कुशल तैराकों, गोताखोरों एवं नदी में पेट्रोलिंग हेतु मोटर बोट, लाइफ जैकिट, वायरलैस सैट, वॉकी-टॉकी, सर्व लाईट वॉच टावर इत्यादी की व्यवस्था भी की गई है। इसके अलावा खोया-पाया केन्द्र, स्वास्थ्य विभाग का अमला एंबुलेंस तथा प्राथमिक उपचार के लिए दवाओं के साथ मेला स्थल पर तैयार है। अस्थाई शौचालय, चलित शौचालय, अस्थाई चैरिंग बूथ भी मेला स्थल पर हैं। मेले में शांति एवं कानून व्यवस्था, भीड़ एवं ट्रैफिक नियंत्रण तथा हर प्रकार की अप्रत्याशित परिस्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैज रहेगा। मेले में आने वाले यात्रियों के खाने-पीने, चाय-नाश्ते तथा रोजाना की जरूरतों के हिसाब से दूरस्थ क्षेत्रों से आये दुकानदारों ने दुकाने भी स्थापित की हैं। मनोरंजन व धार्मिक वातावरण हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम भी निरंतर संचालित रहेंगे। उन्होंने बताया कि ऐतिहासिक मेले की सफलता सुनिश्चित करने के लिये कलेक्टर

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में कोई भी अधिकारी लापरवाही ना बरतें: कलेक्टर

राजस्व न्यायालयों में दर्ज प्रकरणों के निराकरण में स्थिति में सुधार करें सभी राजस्व अधिकारी पराली के उचित प्रबंधन हेतु गौशालाओं की मैपिंग करें, मशीनों की उपखता बढ़ाए, किसानों को नवीन विकल्पों से कराए अवगत सभी एसडीएम आगामी धान उपार्जन के लिए उपार्जन केंद्रों के निर्धारण हेतु प्रस्ताव शीघ्र करें प्रस्तुत राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

नर्मदापुरम/नवप्रदेश। आयोजित राजस्व अधिकारियों की आरओ बैठक के दौरान कलेक्टर ने राजस्व विभाग से संबंधित अभियानों, भू अर्जन, राजस्व न्यायालय एवं डाडिक प्रकरणों की, भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रही मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण तथा अन्य विभागीय कार्यों की

समीक्षा की। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्य प्रदेश के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत प्रोग्रामी मैपिंग में प्रगति प्रतिशत को बढ़ाएं। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए की मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अति महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जिसे सभी इआरओ/एआरओ पूरी सतर्कता और बारीकी से संपन्न करावें। उन्होंने कहा की जनपद एवं नगरी निकायों से समन्वय कर मैपिंग एवं प्रपत्र विवरण की कार्यवाही सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने जिले की आरसीएमएस रिपोर्ट पर न्यायालय मामलों की समीक्षा की। उन्होंने न्यायालय बार तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार कोर्ट में चालू माह में पंजीकृत तथा



कुल पंजीकृत प्रकरणों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि

सख्त रूप से नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए की समस्त नायब तहसीलदार एवं तहसीलदार न्यायालय में दर्ज प्रकरणों में प्रगति प्रतिशत बढ़े तथा स्थिति में सुधार लाएं। कलेक्टर ने बॉटम में चल रहे अधिकारियों की कार्य प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि सभी अधिकारी आगामी एक सप्ताह में अपने अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की स्थिति सुधारे अन्यथा नियमानुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि राजस्व विभाग से संबंधित सबसे पुरानी शिकायतों का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता से किया जाए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने आरसीएमएस पोर्टल पर नजूल प्रकरण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की नजूल प्रकरणों के निराकरण में

प्रगति को बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। सभी अधिकारी अपर कलेक्टर तथा जिला नजूल अधिकारी से मार्गदर्शन प्राप्त कर जटिल प्रकरणों में शीघ्र निर्णय पर आए। कलेक्टर ने निर्देश दिए की उपलब्ध संसाधनों का पूर्ण उपयोग कर राजस्व मामलों के निराकरण में तेजी लाएं। कलेक्टर ने कहा कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत कोई भी प्रकरण समय-सीमा से बाहर नहीं जाए, इसकी जिम्मेदारी सभी कार्यपालक मजिस्ट्रेट सुनिश्चित करें। उन्होंने अपर कलेक्टर को नजूल नवीनीकरण के प्रकरणों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। बैठक में भू-अर्जन एवं वन व्यवस्थापन के लंबित मामलों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने राजस्व वसूली के प्रतिशत को बढ़ाने के निर्देश देते हुए



न्यूज गैलरी

वेडिंग सीजन से पहले सोना 12,000 तक सस्ता, चांदी में भी आई भारी गिरावट



नई दिल्ली। भारत में वेडिंग सीजन की शुरुआत हो गई है। शादियों के सीजन में लोगों को महंगे सोने की कीमत चिंता दे रही थी, लेकिन सोने की कीमत में गिरावट का दौर शुरू हो गया है। सोने की कीमत में जो आसमान छू रही थी, अब वो गिरने लगा है। सोने की कीमत में बीते 15 दिनों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। बीते 15 दिनों में सोने अपने ऑल टाइम हाई से 12000 रुपये से अधिक सस्ता हो चुका है और चांदी की कीमत में 20000 रुपये से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। सोने के दाम गिरने लगे हैं। बीते 15 दिनों में सोना 10 हजार से अधिक सस्ता हो चुका है। वहीं चांदी की कीमत में 20 हजार से अधिक की गिरावट आ चुकी है। इनकी कीमतों में लगातार दूसरे हफ्ते कमी दर्ज की गई है। अगर सिर्फ बीते हफ्ते की बात करें तो 24 कैरेट गोल्ड का भाव 2620 रुपये नीचे आया है।

एअर इंडिया की विशेष उड़ान से सभी सुरक्षित दिल्ली पहुंचे

नई दिल्ली। एअर इंडिया की विशेष उड़ान 228 यात्रियों को लेकर मंगोलिया की राजधानी उलानबटोर से दिल्ली पहुंची। ये यात्री पिछले दो दिनों से वहां फंसे हुए थे, जब सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की उड़ान को सोमवार को तकनीकी खराबी के चलते मंगोलिया में आपात लैंडिंग करनी पड़ी थी। एअर इंडिया ने बुधवार सुबह उलानबटोर से 228 यात्रियों को सुरक्षित दिल्ली पहुंचाया, जो पिछले दो दिनों से मंगोलिया की राजधानी में फंसे हुए थे। ये सभी यात्री सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रही फ्लाइट में सवार थे, जिसे सोमवार को तकनीकी खराबी के कारण मंगोलिया में आपात तौर पर उतारना पड़ा था। एक अधिकारी ने बताया कि उलानबटोर से यात्रियों को लेकर एअर इंडिया का राहत विमान बुधवार सुबह करीब 8:24 बजे राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा। राहत उड़ान बोइंग 787 ड्रीमलाइनर से संचालित की गई। राहत उड़ान संख्या 8183 ने मंगलवार दोपहर उलानबटोर के लिए उड़ान भरी थी।एक सूत्र ने सोमवार को बताया कि बोइंग 777 विमान में 228 यात्री और 17 चालक दल के सदस्य सहित 245 लोग सवार थे, जिसे उलानबटोर की ओर मोड़ दिया गया। तकनीकी समस्या के कारण उलानबटोर उतरा था विमान सोमवार को टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने कहा कि सैन फ्रांसिस्को से कोलकाता होते हुए दिल्ली जा रही एआई174 को उलानबटोर में एहतियातन उतारा गया।

रेवेन्यू में 24 फीसदी की बढ़ोतरी, फाइनेंशियल सर्विसेज के डिस्ट्रीब्यूशन में ग्रोथ

पेटीएम का दूसरी तिमाही में नेट प्रॉफिट बढ़कर 211 करोड़ हुआ

नई दिल्ली। लीडिंग पेमेंट्स और फाइनेंशियल सर्विसेज प्रोवाइडर पेटीएम ने मंगलवार को 30 सितंबर को खत्म हुई तिमाही (द्वितीय तिमाही वित्त वर्ष 2026) के वित्तीय परिणामों की घोषणा की, जिसमें सभी प्रॉफिटेबिलिटी मेट्रिक्स में लगातार सुधार देखने को मिला। कंपनी का ऑपरेटिंग रेवेन्यू पिछले साल के मुकाबले 24 फीसदी बढ़कर 2,061 करोड़ रुपए हो गया। इसकी वजह सब्सक्रिप्शन मचेंट्स में बढ़ोतरी, ज्यादा पेमेंट्स जीएमवी और फाइनेंशियल सर्विसेज के डिस्ट्रीब्यूशन में ग्रोथ है।

ईबीआईटीडीए 7 फीसदी मार्जिन के साथ बढ़कर 142 करोड़ रुपए हो गया, यह एआई-लेड ऑपरेटिंग लेवरेज, कॉस्ट पर लगातार डिस्प्लिन और फेस्टिव सीजन की शुरुआती की तेजी को दिखाता है। पेटीएम ने 21 करोड़ रुपए का प्रॉफिट आफ्टर टैक्स

(पीएटी) बताया है, जिसमें शेयरहोल्डर लोन के पूरे इम्पेयरमेंट के लिए 190 करोड़ रुपए का वन-टाइम चार्ज शामिल है। इसके अलावा, पीएटी बढ़कर 211 करोड़ रुपए हो गया, जो चुनीतीपूर्ण मैक्रो वातावरण में कंपनी की अंतर्निहित ताकत और कुशल निष्पादन को दर्शाता है। कंट्रीब्यूशन प्रॉफिट की अगर हम बात करें तो, यह साल-दर-साल 35 परसेंट बढ़कर 1,207 करोड़ रुपए हो गया और मार्जिन बढ़कर 59 परसेंट हो गया। इसकी वजह नेट पेमेंट रेवेन्यू, फाइनेंशियल सर्विसेज रेवेन्यू में ज्यादा हिस्सेदारी और कम डायरेक्ट खर्चों को माना जा रहा है। पेटीएम के केश बलेंस की बात करें तो यह 13,068 करोड़ रुपए था, जिससे मचेंट एक्सपेंशन, फाइनेंशियल सर्विसेज डिस्ट्रीब्यूशन और एआई-ड्रिवन इनोवेशन में इन्वेस्ट करने के लिए काफी कैपिटल फ्लेक्सिबिलिटी मिलती



है। अपने पेमेंट्स बिजनेस में, दूसरे ऑपरेटिंग हो गया, क्योंकि कंपनी ने भारत के इनकम को मिलाकर रेवेन्यू सालाना आधार एमएसएमई और एंटरप्राइजेज में अपनी पर 25 प्रतिशत बढ़कर 1,223 करोड़ रुपए

मचेंट्सइज वैल्यू (जीएमवी) सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़कर 5.67 लाख करोड़ रुपए हो गई, जबकि मचेंट सब्सक्रिप्शन 1.37 करोड़ तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 25 लाख अधिक है। इससे पेटीएम की ओम्नी-चैनल मचेंट पेमेंट्स में अग्रणी स्थिति मजबूत हुई है। तिमाही में भारत का पहला एआई साउंडबॉक्स लॉन्च करके पेटीएम ने अपनी एआई-फर्स्ट विजन को और मजबूत किया है। इसके साथ ही पेटीएम की लागत संरचना कम और अधिक कुशल हो गई, जिसमें अप्रत्यक्ष व्यय साल-दर-साल 18 फीसदी कम हुए। कंपनी के अनुसार, मार्केटिंग लागत साल-दर-साल 43 प्रतिशत घटी, भले ही पेटीएम ने अपने व्यापारी आधार का विस्तार किया और टियर 2 के साथ ही टियर 3 शहरों में अपनी उपस्थिति मजबूत की।

दूसरी आइकॉनिक एसयूवी दोनों लॉन्च को तैयार

एसयूवी मार्केट में इस महीने मचेगा धमाल ! एक 7-सीटर प्योर ईवी

नई दिल्ली। नवंबर 2025 का महीना इंडियन एसयूवी मार्केट के लिए बेहद रोमांचक रहने वाला है। इस महीने दो बहुप्रतीक्षित (मोस्ट-अवैटेड) स्टूडियो अपना ग्लोबल डेब्यू करने जा रही हैं। इसमें एक तरफ न्यू-जनरेशन टाटा सिएरा है, तो दूसरी तरफ महिंद्रा की ऑल-इलेक्ट्रिक XEV ~S शामिल है। ये दोनों मॉडल स्टूडियो सेगमेंट में अपने-अपने ब्रांड के लिए अहम भूमिका निभाने को तैयार हैं। Tata Sierra: आइकॉनिक नाम की वापसी (25 नवंबर) टाटा सिएरा 25 नवंबर को आधिकारिक तौर पर अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी करने जा रही है, जो उस आइकॉनिक नाम को फिर से जिंदा करेगी जिसने दशकों पहले ब्रांड की एक अलग पहचान बनाई थी। टाटा की लाइनअप में यह SUV कर्व (Curvv) और हैरियर (Harrier) के बीच पोजिशन की जाएगी। इसे इलेक्ट्रिक (EV) और इंटरनल कंबशन इंजन (ICE) दोनों वर्जन में पेश किया



जाएगा, जिसमें ICE वर्जन पहले लॉन्च होगा और EV बाद में आएगी। ICE मॉडल में टाटा का नया 1.5-लीटर इंजन परिवार मिलेगा, जिसमें नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल, टर्बो-पेट्रोल और डीजल यूनिट शामिल हैं; टर्बो-पेट्रोल मोटर से 168 ब्रू पावर व 280 ह्रद्ध टॉर्क मिलने की उम्मीद है, जो 6-स्पीड मैनुअल और ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ आएगी। वहीं, इलेक्ट्रिक सिएरा का प्लेटफॉर्म हैरियर

थ्रडू के साथ शेयर किए जाने की संभावना है और इसमें दो बैटरी ऑप्शन मिल सकते हैं, जिसमें बड़ा पैक 500चद्द से ज्यादा की ड्राइविंग रेंज दे सकता है। Mahindra XEV ~S: महिंद्रा की पहली 3-ये EV (27 नवंबर) इस बीच, महिंद्रा भी 27 नवंबर को बेंगलुरु में अपने 'स्क्रीम इलेक्ट्रिक' (Skreem Electric) इवेंट में XEV ~S को पेश करने के लिए

बजाज फाइनेंस फेस्टिव लोन वॉल्युम में 27 प्रतिशत की वृद्धि

बजाज फाइनेंस के 52 प्रतिशत नए ग्राहकों



भारत की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की नॉन-बैंकिंग वित्तीय संस्था और भारत की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की नॉन-बैंकिंग वित्तीय संस्था और बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने कहा कि इस फेस्टिव सीजन में उपभोक्ता कर्ज की मांग में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी ने पिछले वर्ष की तुलना में 27 प्रतिशत अधिक संख्या में और 29 प्रतिशत अधिक मूल्य के उपभोक्ता कर्ज वितरित किए हैं।उपभोक्ता वस्तुओं के लिए लिए गए इन कर्ज में बढ़ोतरी सरकार के अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों और व्यक्तिगत आयकर दरों में किए गए बदलावों का सकारात्मक परिणाम है, जिनका उद्देश्य उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ाना रहा है।

बजाज फाइनेंस ने 22 सितंबर से 26 अक्टूबर 2025 के बीच लगभग 63 लाख कर्ज वितरित किए। इस अवधि में कंपनी ने 23 लाख नए ग्राहक जोड़े, जिनमें से 52 प्रतिशत न्यू-टू-क्रैडिट (पहली बार कर्ज लेने वाले) थे, जिससे

वित्तीय समावेशन को व्यापकता मिली।बजाज फाइनेंस के चेयरमैन सजीव बजाज के अनुसार - सरकार के नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी सुधारों और आयकर की दरों में बदलावों ने भारत की उपभोग-आधारित विकास कहानी को नई ऊर्जा दी है। इन कदमों से रोजमर्रा की वस्तुएं अधिक सुलभ हुई हैं, जिससे लाखों मध्यम और निम्न आय वर्गीय परिवार आत्मविश्वास के साथ त्योहारी खरीदारी कर सके हैं। यह असर केवल 27 प्रतिशत अधिक उपभोक्ता कर्ज वितरण में ही नहीं दिखा, बल्कि उपभोक्ताओं के बेहतर जीवनशैली के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की ओर झुकाव में भी देखा गया।उन्होंने आगे कहा - इस त्योहारी सीजन में हमारे आधे से अधिक नए ग्राहक न्यू-टू-क्रैडिट हैं, जिन्होंने पहली बार औपचारिक वित्तीय प्रणाली से कर्ज लिया है। बजाज फाइनेंस की डिजिटल सेवाओं और पूरे भारत में 4,200 स्थानों पर फैले 2.39 लाख वितरण केंद्रों के माध्यम से हम वित्तीय समावेशन को और गहराई दे रहे हैं और भारतीय उपभोक्ता की प्रगति को आगे बढ़ा रहे हैं।

खेल, मनोरंजन

राइजिंग एशिया कप 2025 के लिए इंडिया-ए की टीम का ऐलान, जितेश शर्मा बनाए गए कप्तान

नईदिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की सीनियर पुरुष चयन समिति ने एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए इंडिया- ए टीम का चयन कर लिया है। यह टूर्नामेंट 14 से 23 नवंबर 2025 तक कतर के दोहा स्थित वेस्ट एंड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। एशिया की उपरती प्रतिभाओं को मंच देने वाले इस टूर्नामेंट में इंडिया-ए सहित कई देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। ऐसे में आइए पूरी खबर पर नजर डालते हैं।

ऐसी है टूर्नामेंट के लिए इंडिया-ए की टीम: प्रियाश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नहल वडेरा, नमन धीर (उप-कप्तान), सुग्रीव शंजे,



जितेश शर्मा (कप्तान और विकेटकीपर), रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा, यश ठाकुर, गुर्जपनीत सिंह, विजय कुमार वैष्क, युधवीर सिंह चरक, अभिषेक पोरल (विकेटकीपर) और सुयश शर्मा। ये हैं रिजर्व

खिलाड़ी: गुरनूर सिंह बरार, कुमार कुशाग्र, तनुश कोटियन, समीर रिजवी और शेख राशिद। इंडिया-ए की टीम में सूर्यवंशी जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका मिला है।भारतीय टीम 14 नवंबर को यूएई क्रिकेट टीम के खिलाफ

अपना पहला मुकाबला खेलने उतरेगी। इसके बाद पाकिस्तान-ए के खिलाफ 16 नवंबर को उनकी भिड़ंत होगी। 18 नवंबर को ओमान क्रिकेट टीम के खिलाफ टीम अपने रूप का तीसरा मुकाबला खेलेगी। भारतीय टीम

पाकिस्तान, यूएई और ओमान के साथ रूप-रूका हिस्सा है। पहला और दूसरा सेमीफाइनल 21 नवंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 23 नवंबर को होगा।जितेश ने अब तक 142 टी-20 मुकाबले खेले हैं। इसकी 128 पारियों में 27.43 की औसत से 2,908 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 1 शतक और 11 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 106 रन रहा है। भारत के लिए इस खिलाड़ी ने अब तक 10 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं और इसकी 8 पारियों में 17.42 की औसत और 150.61 की स्ट्राइक रेट से 122 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 35 रन रहा है।

एशेज सीरीज के दौरान अहम रिकॉर्ड्स बना सकते हैं मिचेल स्टार्क

नईदिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के बीच एशेज सीरीज की शुरुआत 21 नवंबर से हो जाएगी। इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के प्रदर्शन पर नजर रहेगी। वह घरेलू सीरीज में विपक्षी बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा लेने वाले हैं। सीरीज के पहले टेस्ट में पैट कमिंस नहीं खेलेंगे और ऐसे में स्टार्क तेज गेंदबाजी की अगुआई करते हुए दिखेंगे। स्टार्क आगामी सीरीज के दौरान कुछ रिकॉर्ड्स बना सकते हैं, उनके बारे में जानते हैं। स्टार्क ने अपना पहला टेस्ट मैच साल 2011 में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था। उन्होंने अब तक 100 मुकाबले खेले हैं और इसकी 192 पारियों में 27.02 की औसत से 402 विकेट लिए हैं।

वह विकेटों के मामले में वेस्टइंडीज के कर्टली एम्ब्रोस (405) और पाकिस्तान के वसीम अकरम (414) को पीछे छोड़ने के करीब हैं। वह भारत के हरभजन सिंह (417) से भी आगे निकल सकते हैं। स्टार्क ने एशेज सीरीज में अब तक 22 मुकाबले खेले हैं, जिसकी 42 पारियों में उन्होंने 27.37 की औसत के साथ 97 विकेट लिए हैं। इस बीच उन्होंने 4 पारियों में 5 विकेट हॉल भी लिए हैं। वह इस प्रतिष्ठित सीरीज में विकेटों का शतक लगाने वाले कुल 21वें गेंदबाज बन जाएंगे। बता दें कि एशेज में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड शेन वॉर्न (195) के नाम पर दर्ज है। तटस्थ मैदानों पर उन्होंने 5 टेस्ट खेले थे, जिसमें उन्होंने 15 विकेट चटकाए थे।

25.71 की औसत के साथ 191 विकेट लिए हैं। वह आगामी सीरीज में 9 विकेट और लेते ही डब्ल्यूटीसी में अपने 200 विकेट पूरे कर लेंगे। अब तक सिर्फ 2 गेंदबाज ही ऐसा कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के ही नाथन लियोन (219) और कमिंस (215) ये आंकड़ा पार कर चुके हैं। स्टार्क ने ऑस्ट्रेलिया में कुल 55 विकेट हॉल भी लिए। उन्होंने एक टेस्ट में कुल 10 विकेट (दोनों पारियों को मिलाकर) लिए थे। विदेशों में उन्होंने 26.77 की औसत के साथ 152 सफलताएं हासिल कीं। तटस्थ मैदानों पर उन्होंने 5 टेस्ट खेले थे, जिसमें उन्होंने 15 विकेट चटकाए थे।

दीप्ति शर्मा ने हासिल की उपलब्धि, युवराज सिंह के साथ बनाई सूची में जगह

नईदिल्ली। महिला वनडे विश्व कप 2025 के फाइनल में दीप्ति शर्मा ने इतिहास रचते हुए कप्तान कर दिया। वह पहली खिलाड़ी (पुरुष या महिला) बन गई हैं जिन्होंने विश्व कप के नॉकआउट मैच में अर्धशतक जड़ने के साथ 5 विकेट भी लिए। 27 वर्षीय इस ऑलराउंडर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार 58 रन बनाए और 39 रन देकर 5 विकेट झटकें। इस प्रदर्शन की बदौलत भारत ने 52 रनों से जीत दर्ज करते हुए अपना पहला विश्व कप खिताब जीता।दीप्ति पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी हैं जिन्होंने किसी वनडे मैच में अर्धशतक के साथ 5 विकेट भी चटकाए। विश्व कप मुकाबले में यह

कारनामा करने वाली वह भारत की दूसरी खिलाड़ी हैं। उनसे पहले युवराज सिंह ने 2011 पुरुष विश्व कप में आयरलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ 50 रन और 5/31 के आंकड़े दर्ज किए थे। दीप्ति के शानदार प्रदर्शन की बदौलत उन्हें टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने 215 रन बनाए और 22 विकेट हासिल किए।भारत के 166/2 के स्कोर पर संकट की घड़ी में दीप्ति क्रीज पर उतरीं थीं और शानदार संयम के साथ अर्धशतक जमाया। दक्षिण अफ्रीका के शुरुआती झटकों के बाद उन्होंने कप्तान हमनप्रीत कौर (20) और ऋद्धा घोष (34) के साथ अहम साझेदारियां निभाईं।

इक्रीस का ट्रेलर रिलीज सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता बन छा गए अगस्त्य नंदा

अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा ने निर्देशक जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से बॉलीवुड में कदम रखा था और इसमें उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई थी। हालांकि, ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर आई थी। अब दर्शकों को अगस्त्य की फिल्म इक्रीस का इंतजार है, जो ओटीटी से पहले सिनेमाघरों का रुख करेगी। अब श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया की ये पहली फिल्म है।ये 2 मिनट का ट्रेलर सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता अरुण खत्रपाल की कहानी को दिखाता है। इसमें उनकी फौज में भर्ती से

लेकर, जंग के मैदान में उनके वीरता भरे बलिदान तक का प्रेरणादायी सफरनामा दिखाया गया है। शुरुआती दृश्यों में एक सख्त मिलिट्री अकादमी का माहौल दिखाया गया है। उधर अरुण के किरदार में अगस्त्य असर छोड़ जाते हैं। उनका जोश-जुनून से भरा किरदार ध्यान खींचता है। बहादुरी के साथ-साथ एक प्रेम कहानी भी इसमें नजर आएगी। दिनेश विजान इस फिल्म के निर्माता हैं, जिनकी हॉरर कॉमेडी फिल्म थामा इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है। उनके प्रोडक्शन हाउस मेडॉक फिल्म्स ने ट्रेलर साझा कर कैप्शन में लिखा, वो इक्रीस का था, इक्रीस का ही रहेगा! दिनेश विजान और मेडॉक

फिल्म्स प्रस्तुत करते हैं इक्रीस। भारत के सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता- सेकेंड लिफ्टेनेंट अरुण खत्रपाल की एक अनकही सच्ची कहानी, जिसका निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है। दिसंबर 2025 में सिनेमाघरों में ट्रेलर ने लोगों के रोंगटे खड़े कर दिए हैं, वहीं धर्मद और जयदीप अहलावत ने भी अपने अंदाज ने दिल जीत लिए हैं। अगस्त्य की प्रेमिका की भूमिका में नजर आ रही सिमर की खूबसूरती की भी लोग तारीफ कर रहे हैं। एक ओर जहां अगस्त्य तारीफ लुट रहे हैं, वहीं लोग ये भी कह रहे हैं कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धुआं उड़ा देगी।



न्यूज गैलरी

भोपाल के सेंट्रल जेल परिसर में युवक ने लगाई फांसी

पिता बोले- विवाद से बचने के लिए गांव से भेजा था, बेटे की हत्या करने चाहते थे पड़ोसी

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल की सेंट्रल जेल परिसर में स्थित जेल कॉलोनी में मंगलवार दोपहर जेल प्रहरी के भतीजे ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बुधवार को पीएम के बाद बाँडी को परिजनों के हवाले कर दिया गया। पीएम हाउस पहुंचे परिजनों ने युवक खुदकुशी के बाद गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि गांव में रहने वाले पड़ोसियों से पिछले दिनों भैस को लेकर विवाद हुआ था। इसी बात से नाराज पड़ोसी पिता-पुत्र ने बेटे को जान से मारने की धमकी दी थी। गांधी नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक अभिषेक ओझा पिता जगदीश ओझा (22) सांगरोज गांव जिला मौरना का रहने वाला था। दो दिन पहले ही अपने जेल प्रहरी चाचा बुजेश कुमार ओझा के घर पर आया हुआ था। सुबह चाचा अपनी ड्यूटी पर चले गए, तभी उसने पंखे पर फांसी का फंदा बनाकर उस पर झूल गया।

ड्यूटी से लौटे चाचा ने देखा था शव

जब चाचा ड्यूटी से अपने घर लौटे तो देखा कि वह फंदे पर झूल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। सुसाइड नोट नहीं मिलने से कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

पिता बोले- मामूली विवाद पर जान लेने को आमादा थे पड़ोसी

अभिषेक के पिता जगदीश ने बताया कि बेटा बीएससी फाइन कर चुका था। फौज में जाने की तैयारी कर रहा था। गांव में पड़ोस में ही पून और राहुल नाम के पिता-पुत्र रहते हैं। राहुल को चार दिन पहले हमारी भैस ने मामूली रूप से घायल कर दिया था। इस बात को लेकर राहुल अपने पिता पून के साथ घर आया था। दोनों बंदूक और कट्टे से लैस थे। आरोपियों ने घर के बाहर जमकर गालियां दीं, जिसका बेटे अभिषेक ने विरोध किया। इस पर आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। हमें जानकारी मिली कि पिता-पुत्र बेटे को धेरकर मारने की प्लानिंग कर रहे हैं। बेटे का करियर खराब न हो और वाद-विवाद से दूर रहे, इस कारण उसे भोपाल भेज दिया। लेकिन, घटना के बाद से वह खौफजदा था। इसी तनाव में उसने सुसाइड कर लिया। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई होना चाहिए। अभिषेक मरा इकलौता बेटा था, पुलिस न्याय दिलाना चाहती है आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करे।

एसआईआर का असर : भोपाल के शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों पर संकट

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान का असर अब शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों पर नजर आ रहा है। जहां सैकड़ों शिक्षक और प्राचार्य बीएलओ ड्यूटी में व्यस्त हैं, वहीं मलेरिया विभाग के कर्मचारी वोटर लिस्ट सुधार में जुटे हैं। नतीजा स्कूलों की पढ़ाई और डेंगू नियंत्रण, दोनों की रफ्तार थम गई है। राजधानी भोपाल में विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान शुरू किया गया। इसका असर अब शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों पर एक साथ दिखाई देने लगा है। शिक्षकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को चुनावी कार्यों में तैनात किए जाने से स्कूलों की पढ़ाई बाधित है, वहीं डेंगू और मलेरिया नियंत्रण अभियान भी लगभग ठप पड़ गया है।

शिक्षक बीएलओ ड्यूटी में, स्कूलों में पढ़ाई रुकी

मध्यप्रदेश बोर्ड के स्कूलों में अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं, लेकिन शिक्षकों की कमी से कई स्कूलों में परीक्षा संचालन और पढ़ाई दोनों प्रभावित हो रहे हैं। कुल 2029 बीएलओ में से करीब 1100 शिक्षक हैं, जबकि 205 सुपरवाइजरों में लगभग 71 प्राचार्य शामिल हैं। कई स्कूल ऐसे हैं जहां एक ही शिक्षक है और उसे भी बीएलओ ड्यूटी पर भेज दिया गया है। नेवरी प्राथमिक स्कूल में 48 बच्चे हैं और अकेली टीचर है, फिर भी उन्हें बीएलओ बनाया गया है। इसी तरह बैरसिया ब्लॉक के एक विद्यालय में दो शिक्षक हैं और दोनों ही निर्वाचन कार्य में हैं। जिला शिक्षा अधिकारी एनके अहिरवार ने बताया कि शिक्षकों के निर्वाचन कार्य में जाने से पढ़ाई जरूर प्रभावित हुई है। 10वीं और 12वीं के शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी से मुक्त कराने के लिए पत्र लिखा गया है ताकि बोर्ड परीक्षा की तैयारी प्रभावित न हो।

मलेरिया विभाग के कर्मचारी भी निर्वाचन कार्य में, डेंगू सर्वे बंद

स्वास्थ्य विभाग में भी यही स्थिति है। मलेरिया विभाग के सभी क्लर्क और सुपरवाइजरों की ड्यूटी मतदाता सूची पुनरीक्षण में लगा दी गई है। ये वही कर्मचारी हैं जो सामान्यतः डेंगू-लार्वी सर्वे, फॉगिंग और रिपोर्टिंग का काम करते हैं। इस स्टाफ की अनुपलब्धता से लार्वी सर्वे और टैस्टिंग पूरी तरह बंद है। शहर में अब तक डेंगू के 127 मरीज मिल चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि नवंबर-दिसंबर डेंगू मच्छरों के पनपने का पीक सीजन होता है, ऐसे में नियंत्रण कार्य रुकना खतरनाक साबित हो सकता है। उप निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता ने बताया कि स्कूलों से जो सूची मिली, उसी के आधार पर शिक्षकों को बीएलओ बनाया गया है। जिन प्राचार्यों को सुपरवाइजर की जिम्मेदारी दी गई है, उन्हें स्कूल कार्य से मुक्त रखा गया है ताकि एसआईआर का कार्य समय पर पूरा हो सके।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्वास्थ्य संस्थानों के उन्नयन प्रस्तावों की वृहद समीक्षा की

चिकित्सकीय मानव संसाधन की शीघ्र उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के दिए निर्देश

भोपाल/नवप्रदेश। उप

मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंगलवार को निवास कार्यालय भोपाल में स्वास्थ्य संस्थानों के उन्नयन प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जनप्रतिनिधियों द्वारा भेजे गए प्रस्ताव और विभागीय स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत मांग-आधारित प्रस्ताव की समीक्षा की और निर्देश दिए कि स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप भेजे गए प्रस्तावों का प्राथमिकता से परीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रस्तावों की फिजिबिलिटी स्टडी कर व्यवहार्यता के अनुसार इन्हें अनुमोदन के लिए शीघ्र अग्रपिठ किया जाए, जिससे नागरिकों को उत्तम स्वास्थ्य सुविधाएँ समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जा सकें।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में निर्माणाधीन नए स्वास्थ्य केंद्रों, अस्पतालों और चिकित्सा महाविद्यालयों में निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा



करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण किया जाए। कार्यों में अनावश्यक विलंब को किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। बैठक में रीवा में ऑनकोसर्जरी विभाग के लिए जारी युक्तियुक्तिकरण प्रक्रिया की प्रगति की समीक्षा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि कैसर जाँच और उपचार

सेवाओं के विस्तार के लिये यह विभाग अत्यंत महत्वपूर्ण है। संबंधित चरणों को प्राथमिकता पर पूर्ण किया जाए जिससे क्षेत्रीय मरीजों को लाभ मिल सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेश के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में अत्याधुनिक उपकरणों (जिसमें लिनैक मशीन, एमआरआई, सीटी स्कैन, पेट स्कैन आदि

शामिल हैं) की खरीदी प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए कहा कि उपकरणों की उपलब्धता और उनकी स्थापना में समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि उपकरण उपलब्ध होने के साथ प्रशिक्षित मानव संसाधन भी उपलब्ध कराना आवश्यक है, जिससे सेवाएँ तुरंत प्रारंभ हो सकें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने चिकित्सकीय मानव संसाधन (डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, तकनीशियन, पैरामेडिकल स्टाफ) की उपलब्धता पर विस्तृत चर्चा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि योग्य और प्रशिक्षित स्टाफ की नियुक्ति गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की मूल आधारशिला है। उन्होंने निर्देश दिए कि अन्य राज्यों में उपलब्ध सफल मॉडल का अध्ययन कर भर्ती प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और त्वरित बनाने के लिए आवश्यक प्रक्रियात्मक संशोधन का मसौदा तैयार किया जाए। बैठक में प्रभारी आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री विशेष गढ़पाले, संचालक चिकित्सा शिक्षा सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एम.एस.एम.ई. के फार्मा उद्योग प्रतिनिधियों का दल हैदराबाद फार्मा सेज के अध्ययन दौरे पर हुआ खाना



भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश के एमएसएमई प्रतिनिधियों के 18 सदस्यीय अध्ययन दल बुधवार को इन्दौर विमानतल से सांसद श्री शंकर लालवानी ने हैदराबाद के लिए खाना किया। यह दल रैम्प योजना के अंतर्गत हैदराबाद के फार्मा सेज क्लस्टर का अवलोकन करेगा। इस अध्ययन दल को एमएसएमई विभाग के सीखने एवं सहयोग और विकास (Learn-Collaborate-Grow) के तहत भेजा गया है। इसका समन्वय मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम द्वारा किया जा रहा है। यह अध्ययन दल 07 नवंबर तक अवलोकन यात्रा पर रहेगा। इस दल में इन्दौर, पीथमपुर, मालनपुर, भोपाल, भिंड और देवास के लघु उद्यमी शामिल हैं। ये सभी प्रतिनिधि फार्मा निर्माण] पैकेजिंग, ऋष्ठ और सपलाई चेन से जुड़े उद्योगों से है। प्रतिनिधि हैदराबाद के फार्मा सेज में स्थित देश की अग्रणी कम्पनियों जैसे आइडूरविंदो फार्मा लि., हेटेरो लैब्स लि. और यूजिया फार्मा तथा अन्य प्रमुख फार्मास्यूटिकल इकाइयों का भ्रमण करेंगे। उन्हें उद्योग विशेषज्ञों] उत्पादन प्रबंधकों और गुणवत्ता प्रमुखों से संवाद का अवसर मिलेगा जिससे वे तकनीकी हस्तारण]नवाचार सहयोग और विक्रेता विकास के नए अवसरों को जानकारी प्राप्त करेंगे।

भोपाल में हाईटेंशन की चपेट में आए बुजुर्ग की मौत: ग्यारस की पूजा करते समय छत पर हुआ हादसा

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के आनंद नगर में रहने वाले बुजुर्ग की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आन से मौत हो गई। हादसा एक नवंबर को ग्यारस के दिन हुआ था। जबकि वृद्ध की मौत बुधवार की सुबह हुई। हादसे के दिन बुजुर्ग ने पूजा के लिए गन्ना छत पर सीधा रखा, जो हाईटेंशन लाइन से टकरा गया। इससे करंट की चपेट में आने से बुजुर्ग झुलस गए। उनके बेटे ने पिता को बचाने का प्रयास किया, उसका भी हाथ झुलस गया, जबकि पास खड़ा पोता भी दादा के साथ करंट की चपेट में आया। इससे उसका चेहरा बुरी तरह से झुलसा है। जिसका इलाज हमीदिया अस्पताल में चल रहा है। मामले में पिपलानी पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक शंकरलाल विश्वकर्मा (78) पिता केसर सिंह विश्वकर्मा निवासी मानव बिहार



काँलोनी आनंद नगर पूर्व में कारपेंटरी करते थे। फिलहाल उनका बेटा दीपक कारपेंटरी की ठेकेदारी करता है। ग्यारस के दिन शंकरलाल बेटे दीपक और पोते विनय के साथ घर की दूसरी मंजिल स्थित छत पर पूजा करने गए। छत के बेहद करीब से हाईटेंशन लाइन गुजरी है। छत पर गन्ना सीधा खड़ा करते ही हाईटेंशन लाइन से टकरा गई।

बचाने के प्रयास में बेटा भी झुलसा

इससे बुजुर्ग करंट की चपेट में आ गए। बचाने के लिए बेटे दीपक ने पिता को पीछे खींचना चाहा, इससे उनके हाथ झुलस गए। यह इस दौरान विनय दादा के बेहद करीब खड़ा था। वे भी दादा के संपर्क में आ गया, उसका चेहरा बुरी तरह से झुलस गया। हादसे के बाद तीनों को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से दीपक को प्रारंभिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। जबकि विनय और मदनलाल को इलाज के लिए भर्ती कर लिया गया। आज सुबह इलाज के दौरान मदनलाल की मौत हो गई।

दस फीट की दूरी पर है लाइन

मृतक के भतीजे सुनील कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि बड़े पिता मदनलाल पूजा के लिए गाने की झोपड़ी बना रहे थे। तभी गन्ना हाईटेंशन से टकराया और हादसा हुआ। लाइन घर के बेहद करीब है, रहवासी पूर्व में कई बार इसे शिफ्ट करने एमपीएसईबी में शिकायत कर चुके हैं। लेकिन इस लाइन को शिफ्ट नहीं किया गया है। जिस कारण हादसा हो गया।

कांग्रेस का संपर्क और संवाद, प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन अध्यक्षों ने आदिवासी अंचलों में जाना जनजीवन

भोपाल/नवप्रदेश। पचमढ़ी में जिला कांग्रेस अध्यक्षों ने प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन पिपरिया विधानसभा क्षेत्र में आदिवासी और ग्रामीण अंचलों का दौरा किया गया, जहां उन्होंने लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लिया। पचमढ़ी में चल रहे जिला कांग्रेस अध्यक्षों के संगठन सृजन प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन कांग्रेस



पदाधिकारियों ने आज पिपरिया विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों का दौरा किया। इस दौरान जिला कांग्रेस

कमेटी के अध्यक्षों और विधायकों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं और सरकारी योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन का आकलन किया। कांग्रेस के इस विशेष अभियान का उद्देश्य था आदिवासी और ग्रामीण इलाकों में रह रहे लोगों की वास्तविक स्थिति को समझना, योजनाओं के लाभार्थियों तक पहुंच का मूल्यांकन करना और गांवों में विकास की रफ्तार का

जायजा लेना। कांग्रेस पदाधिकारियों के समूहों ने अलग-अलग गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से पूछा कि क्या शासन की योजनाएं वास्तव में जनता तक पहुंच रही हैं। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, पंचायत व्यवस्था, रोजगार और आजीविका योजनाओं की स्थिति का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर योजनाओं के सीमित लाभ और कुछ इलाकों में मूलभूत सुविधाओं की

बीयू के जवाहर छात्रावास में रैगिंग की शिकायत, फर्जी दस्तावेज से एडमिशन लेने वाला छात्र निष्कासित

भोपाल/नवप्रदेश। बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के जवाहर छात्रावास में एक बार फिर रैगिंग से जुड़ा मामला सामने आया है। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हॉस्टल में रह रहे छात्र को निष्कासित करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी छात्रावासों में सत्यापन अभियान चलाने का फैसला लिया है। बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय (बीयू) के जवाहर छात्रावास में रैगिंग से जुड़ी शिकायतों का सिलसिला थम नहीं रहा है। विश्वविद्यालय की एंटी रैगिंग

सेल में 9 अक्टूबर को एक नई शिकायत दर्ज हुई, जिसमें एक जूनियर छात्र ने सीनियर हर्ष चतुर्वेदी और हॉस्टल वॉर्डन डॉ. कपिल सोनी पर गंभीर आरोप लगाए। शिकायत का संज्ञान लेते हुए यूजीसी एंटी रैगिंग सेल ने बीयू प्रशासन को तत्काल जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश जारी किए। आंतरिक जांच में पता चला कि आरोपी छात्र हर्ष चतुर्वेदी ने फर्जी दस्तावेजों और जाली हस्ताक्षरों के आधार पर छात्रावास में प्रवेश प्राप्त किया था। जांच में सामने आया कि हर्ष ने



आवेदन फॉर्म में विभागाध्यक्ष (HOD) के नकली हस्ताक्षर किए थे, फॉर्म पर फोटो नहीं थी और

संलग्न दस्तावेज अधूरे थे। इतना ही नहीं, आवेदन में दर्ज मोबाइल नंबर भी गलत पाया गया। रिपोर्ट आने के

बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने एंटी रैगिंग समिति की अनुशंसा पर हर्ष चतुर्वेदी को विश्वविद्यालय और छात्रावास दोनों से निष्कासित कर दिया है। सभी हॉस्टलों में चलेगा दस्तावेज सत्यापन अभियान प्रबंधन ने बताया कि कुछ और छात्र फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हॉस्टल में रह रहे हैं। ऐसे मामलों पर रोक लगाने के लिए अब सभी हॉस्टलों में सत्यापन अभियान (वैरिफिकेशन ड्राइव) चलाया जाएगा। साथ ही, भविष्य में जूनियर

और सीनियर छात्रों को अलग-अलग हॉस्टलों में रखने का निर्णय भी लिया गया है ताकि नए छात्रों को सुरक्षित वातावरण मिल सके। शिकायतकर्ता छात्र ने वॉर्डन डॉ. कपिल सोनी पर भी लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि कई बार फोन कर शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की गई, लेकिन वॉर्डन ने कॉल रिसीव नहीं किया। बीयूआईटी से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी छात्र हर्ष ने पिछले तीन महीनों में केवल एक ही क्लास में उपस्थिति दर्ज कराई थी।